रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

शुक्रवार
14 अगस्त -2026
वर्ष 10, अंक 341
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

संक्षिप्त समाचार

टाटा संस में चंद्रशेखरन की जगह ले सकते हैं नरेंद्रन

मुंबई (एजेंसी)। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के अचानक इस्तीफे के बाद नए उत्तराधिकारी की तलाश शुरू हो गई है। सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट ने 13 अगस्त को एक प्रस्ताव पास कर 5 सदस्यीय सिलेक्शन कमेटी गठित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस पद की रेस में टाटा स्टील के मैनेजिंग डायरेक्टर टीवी नरेंद्रन का नाम सबसे आगे है। नरेंद्रन 1988 से टाटा ग्रुप से जुड़े हुए हैं। उनका पूरा करियर टाटा स्टील में ही रहा है। चंद्रशेखरन ने भले ही इस्तीफा दे दिया हो लेकिन वे फरवरी 2027 तक टाटा संस के चेयरमैन पद पर बने रहेंगे। यानी वे अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। इस वजह से टाटा संस के पास नया प्रमुख को चुनने और उनके स्मूथ ट्रांजेक्शन की योजना बनाने के लिए लगभग 6 महीने का वक्त है।

आकाशदीप-मुकेश की डीएसपी नौकरी पर 5 साल की शर्त

पटना (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट में तेज गेंदबाज आकाश दीप और मुकेश कुमार को बिहार पुलिस में डीएसपी बनाए जाने के बाद अब सरकारी सेवा को लेकर नई शर्त सामने आई हैं। गृह विभाग की अधिसूचना के मुताबिक, दोनों क्रिकेटरों को 5 साल का बॉन्ड भरना होगा। इस अवधि में उन्हें

सक्रिय क्रिकेट खिलाड़ी के तौर पर टूर्नामेंट में हिस्सा लेते रहना अनिवार्य होगा। उन्हें विभिन्न क्रिकेट टूर्नामेंट में सक्रिय खिलाड़ी के तौर पर हिस्सा लेना होगा। यदि वे बॉन्ड में तय शर्तों का पालन नहीं करते हैं या क्रिकेट खेलना पूरी तरह छोड़ देते हैं, तो उनकी सरकारी सेवा पर असर पड़ सकता है।

छात्र प्रदर्शन मामले में झारखंड में 600 एफआईआर

रांची (एजेंसी)। जेपीएससी और जेएसएससी की भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के खिलाफ चल रहे छात्र आंदोलन के अगले चरण को लेकर रांची जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। वहीं पिछले दिनों हंगामे के मामले में पुलिस ने बड़ी

कार्रवाई की है। रांची में पुलिस बैरिकेडिंग तोड़ने और झड़प के मामले में करीब 600 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इनमें करीब 100 लोग नामजद हैं। वहीं, लगभग 500 अज्ञात लोगों के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि नामजद लोगों में ज्यादातर बीजेपी के युवा कार्यकर्ता हैं।

संसद का मानसून सत्र

अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

- आखिरी दिन लोकसभा 1 मिनट, राज्यसभा 1 घंटे चली
- मोदी-शाह और राहुल सदन में मौजूद रहे, विपक्ष का हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का मानसून सत्र गुरुवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। आखिरी दिन लोकसभा की कार्यवाही सिर्फ 1 मिनट चली, जबकि राज्यसभा करीब 1 घंटे चली। लोकसभा में पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, पूरी कैबिनेट और विपक्ष के नेता राहुल गांधी मौजूद रहे।

स्पीकर ओम बिड़ला ने वंदे मातरम गान के बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी। वहीं, राज्यसभा में आखिरी दिन एमएमडीआर संशोधन बिल पास हुआ। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हल्द्वानी में उनके कार्यक्रम के बाद हुए शुद्धिकरण का मुद्दा उठाया। लोकसभा में 114 घंटे में से 96 घंटे काम नहीं हुआ मानसून सत्र में लोकसभा की 19 बैठकें हुईं। सदन की सामान्य बैठक सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक होती है। दोपहर 1 से 2 बजे तक लंच ब्रेक रहता है। यानी एक दिन में करीब 6 घंटे कार्यवाही का समय होता है। इस हिसाब से 19 बैठकों में करीब 114 घंटे कार्यवाही होनी थी, लेकिन यह करीब 17 घंटे 30 मिनट ही चली। यानी करीब 96 घंटे 30 मिनट कम कार्यवाही हुई। वहीं, 2025 का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त 2025 तक चला था। इसमें लोकसभा और राज्यसभा की 21-21 बैठकें हुईं।

मानसून सत्र में 12 नए बिल पेश, 11 दोनों सदनों में पास

2026 के मानसून सत्र में कुल 12 नए बिल पेश किए गए। इनमें 10 लोकसभा और 2 राज्यसभा में पेश हुए। लोकसभा में आए बिल टैक्स, बैंकिंग, खनन, ट्रिब्यूनल, जन्म-मृत्यु पंजीकरण, परीक्षा में नकल रोकने, केरल का नाम बदलने और सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या जैसे मुद्दों से जुड़े हैं। माइंस एंड मिनरल्स संशोधन बिल के राज्यसभा से पास होने के बाद अब 12 में से 11 बिल दोनों सदनों से पास हो चुके हैं। केवल भारतीय सांख्यिकी संस्थान बिल अभी दोनों सदनों से पास नहीं हुआ है। राज्यसभा में पेश किए गए दोनों बिल भी लोकसभा से पास हो चुके हैं।

पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम पर हुआ हमला

- सुखबीर बादल पर निहंग ने गुरुद्वारे में कृपाण मारी

नांदेड़ (एजेंसी)। पंजाब के पूर्व डेप्युटी सुखबीर सिंह बादल पर नांदेड़ में जानलेवा हमला हुआ है। उन पर हमला सचखंड गुरुद्वार के पास हुआ है। इसमें उनके एक सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं। मौके

पर सुरक्षा बल के जवान पहुंच गए हैं। अभी हमले की वजह सामने नहीं आई है। बताया जा रहा है कि सुखबीर सिंह बादल को अस्पताल ले जाया गया है। साथ ही उनके घायल सुरक्षाकर्मी को भी ले जाया गया गया है। महाराष्ट्र के नांदेड़ में शिरोमणि अकाली दल के नेता सुखबीर सिंह बादल पर हमला हुआ। निहंगों के हमले में घायल अकाली नेता को हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। सुखबीर बादल परिवार के साथ नांदेड़ में माता साहेब गुरुद्वारा दर्शन के लिए गए थे।

प्रियंका गांधी के बयान के खिलाफ ऑनलाइन मुहिम

समर्थन में 38 देशों के साइंटिस्ट समेत 14 हजार लोग साथ आए

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईआईटी मद्रास के डायरेक्टर वी कामकोटी को 'गोमूत्र एक्सपर्ट' बताने वाले प्रियंका गांधी के बयान पर विवाद बढ़ गया है। उनके खिलाफ एक ऑनलाइन मुहिम

शुरू की गई है। इसे 13 अगस्त सुबह 9 बजे तक 14 हजार लोगों का समर्थन मिल चुका है। यह मुहिम शुरू की गई है। इसमें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से मामले का संज्ञान लेने की मांग की गई है। साथ ही, प्रियंका से कमेंट वापस लेने और माफी की मांग की गई है। 38 से ज्यादा देशों में रह रहे भारतीय वैज्ञानिकों ने भी इसका समर्थन किया है। दरअसल प्रियंका ने लोकसभा में तंज कसा था।

राहुल गांधी ने हाईकोर्ट के आदेश को दी 'सुप्रीम' चुनौती

आय से अधिक संपत्ति के आरोप की सीबीआई-ईडी जांच के निर्देश का है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोपों की जांच के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय को दिए गए निर्देशों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। राहुल गांधी ने मामले को इलाहाबाद हाईकोर्ट से दिल्ली हाईकोर्ट स्थानांतरित करने की मांग करते हुए अलग से ट्रांसफर याचिका भी दाखिल की है।मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ इन पर 17 अगस्त को सुनवाई करेगी।

मामला कर्नाटक के बीजेपी कार्यकर्ता विग्नेश शिशिर की शिकायत से जुड़ा है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि राहुल गांधी के पास उनकी आय के ज्ञात स्रोतों की तुलना में अधिक संपत्ति है।

सीबीआई की रिपोर्ट पर हाईकोर्ट ने जताई थी नाराजगी

हाईकोर्ट ने दोनों केंद्रीय जांच एजेंसियों को मामले की प्रगति से अदालत को अवगत कराने का निर्देश दिया था। इसके बाद 20 जुलाई को हुई सुनवाई में अदालत ने सीबीआई के हलफनामे पर असंतोष जताया और कहा कि यह उसके पहले दिए गए निर्देशों के अनुरूप नहीं है। दूसरी ओर, अदालत ने कहा कि ईडी ने आवश्यक कदम उठाए हैं। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि जांच के दौरान यदि ईडी को कोई सूचना प्राप्त होती है तो वह कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई कर सकती है। इसके बाद हाईकोर्ट ने मामले को आगे की सुनवाई के लिए रखा है।

यूपी में अब महिलाओं को मिलेंगे 50-50 हजार रुपए

चुनाव से पहले 20 हजार की किस्त, फिर 10-10 हजार; योगी सरकार की तैयारी

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी सरकार विधानसभा चुनाव से पहले महिला वोटबैंक को साधने के लिए बड़ी योजना लागू कर सकती है। इसके तहत 50 लाख से ज्यादा महिलाओं को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। चुनाव से पहले 20 हजार रुपए की पहली किस्त दी जाएगी। चुनाव के बाद भाजपा की सरकार बनने पर 10-10 हजार रुपए की 3 किस्तें दी जाएंगी। सरकार में योजना को लेकर मंथन शुरू हो गया है। चुनाव अगले साल जनवरी-फरवरी में हो सकते हैं। दरअसल, पिछले साल बिहार विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत दर्ज करने के बाद भाजपा की नजर अब यूपी पर है। बिहार में चुनाव से ठीक पहले महिलाओं के खातों में 10-10 हजार रुपए भेजे गए थे। उसी तर्ज पर यूपी में भी योजना शुरू की जाएगी।

चुनाव से पहले महिलाओं को साधेगी सरकार- योगी सरकार जेन-जी आंदोलन के बीच वोटबैंक को साधने के लिए महिला सहायता, स्वरोजगार और आर्थिक स्वावलंबन के लिए योजना लाने की तैयारी में है। महिला कल्याण विभाग के जरिए योजना प्रस्तावित की जाएगी। योजना के तहत महिलाओं को 50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने पर विचार हो रहा है।

खनिज विधेयक पर भड़के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कहा कि झारखंड ऐसा आंदोलन करेगा जिसे पूरा देश देखेगा

दैनिक अलग पहचान,वरिष्ठ संवाददाता,रांची/

रांची। खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 के लोकसभा और राज्यसभा से पास होने के बाद झारखंड की सियासत गरमा गई है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केंद्र सरकार पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि खनिज झारखंड का है, जमीन झारखंड की है, फिर झारखंड के हक और अधिकार का फैसला दिल्ली क्यों करेगी? सीएम हेमंत ने साफ कहा कि अगर केंद्र सरकार ने यह विधेयक वापस नहीं लिया तो झारखंड ऐसा बड़ा आंदोलन करेगा, जिसे पूरा देश देखेगा।

हेमंत बोले- जल्दबाजी में पास कराया गया विधेयक- मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में जल्दबाजी में खान और खनिज संशोधन विधेयक, 2026 पास कराया गया। उनके मुताबिक केंद्र सरकार ने इस विधेयक के जरिए झारखंड के हाथ-पैर काटने का काम किया है। उन्होंने इसे झारखंड और झारखंडियों के साथ अन्याय बताते हुए कहा कि इससे राज्य के विकास और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य पर बड़ा असर पड़ेगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा

कि झारखंड अपनी खनिज संपदा के मामले में लंबे समय से देश के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। राज्य की जमीन से कोयला, लौह अयस्क और दूसरे खनिज निकलते हैं। ऐसे में खनिज से जुड़े फैसलों में राज्य के अधिकार और हितों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मुख्यमंत्री ने इसी सवाल को उठाते हुए कहा कि जब खनिज झारखंड का है और जमीन भी झारखंड की है, तो उसके हक और अधिकार का फैसला दिल्ली में क्यों होगा। उन्होंने कहा कि झारखंड इस सौतेले व्यवहार को नहीं सहेगा। मुख्यमंत्री ने अपने बयान में यह भी साफ किया कि झारखंड मुक्ति मोर्चा इस विधेयक का पुरजोर विरोध करेगा।

मंईयां सम्मान और अबुआ आवास का भी जिक्र- सीएम हेमंत सोरेन ने इस विधेयक के असर को राज्य की आम जनता से जोड़ते हुए कई सरकारी योजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कानून बनने के बाद राज्य की आमदनी और संसाधनों पर असर पड़ा तो सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं पर भी इसका असर पड़ सकता है।हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड में करोड़ों लोगों के सामाजिक सुरक्षा से जुड़े हितों पर खतरा पैदा हो सकता है। उन्होंने मंईयां सम्मान योजना, अबुआ आवास योजना, पेंशन, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इन योजनाओं को चलाने में राज्य के संसाधनों की बड़ी भूमिका है। उनका दावा है कि केंद्र के इस फैसले से राज्य के आर्थिक अधिकार कमजोर हुए तो गरीबों और जरूरतमंद लोगों के लिए चल रही योजनाओं पर दबाव बढ़ेगा। सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि यह सिर्फ खनिज और टैक्स का मामला नहीं है, बल्कि झारखंड के लोगों के अधिकार और राज्य के भविष्य का सवाल है। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार और झारखंड मुक्ति मोर्चा इस मुद्दे पर पीछे हटने वाले नहीं हैं।

हर जिले, प्रखंड और पंचायत में विरोध की चेतावनी- सीएम हेमंत सोरेन ने केंद्र सरकार को सीधे तौर पर आंदोलन की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर केंद्र सरकार ने यह विधेयक वापस नहीं लिया तो विरोध को पूरे झारखंड में ले जाया जाएगा। प्रत्येक जिला, प्रत्येक प्रखंड, प्रत्येक पंचायत और प्रत्येक शहर में इसका कड़ा विरोध किया जाएगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर केंद्र सरकार नहीं चेती और झारखंड तथा झारखंडियों को उनका हक और अधिकार वापस नहीं किया गया तो राज्य निर्णायक और ऐतिहासिक फैसले लेने से भी पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में झारखंड ऐसा बड़ा आंदोलन करेगा, जिसे पूरा देश देखेगा। अपने संदेश के अंत में मुख्यमंत्री ने कहा, 'हूल जोहार! जय झारखंड! 'यहां याद दिला दें कि बीते 12 अगस्त को संसद में हंगामे के बीच खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 को दोनों सदनों से मंजूरी मिली। विधेयक के तहत राज्यों के खनिज राजस्व और कराधान से जुड़े अधिकारों में बदलाव का मुद्दा सामने आया है। इसी को लेकर झारखंड सरकार और सीएम हेमंत सोरेन केंद्र सरकार के खिलाफ मुखर हो गए हैं।

भरत तिवारी एनकाउंटर: परिवार के एक सदस्य को मिलेगी सरकारी नौकरी, आर्थिक सहायता का भी ऐलान

दैनिक अलग पहचान, वरिष्ठ संवाददाता, रांची /

बिहार: भोजपुर जिले के बिलौटी गांव में पुलिस मुठभेड़ में हुई भरत भूषण तिवारी की मौत के मामले में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बड़ा ऐलान किया है।मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर बताया कि न्यायिक जांच की अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने दिवंगत भरत तिवारी के परिवार को आर्थिक सहायता देने तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का निर्णय लिया है।

क्या है पूरा मामला- भोजपुर के बिलौटी गांव में पुलिस मुठभेड़ के दौरान

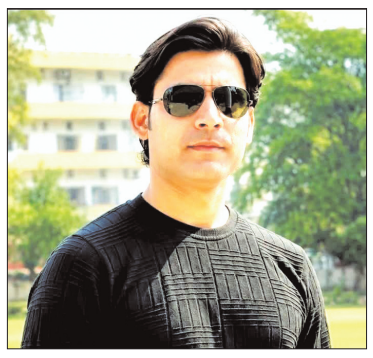

भरत भूषण तिवारी की मृत्यु हो गई थी। परिवार का आरोप था कि भरत तिवारी ने हथियार फेंक कर आत्मसमर्पण करना चाहा था, इसके बावजूद उन पर गोली चलाई गई। इस घटना के बाद पूरे बिहार में आक्रोश फैल गया था।विरोध के बाद सरकार ने कड़ी कार्रवाई की। कई पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया। एसडीपीओ और थाना अध्यक्ष सहित कुछ अधिकारियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। पटना उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश विनोद कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में न्यायिक जांच आयोग का गठन किया गया।आयोग ने गांव पहुंचकर जांच की और अपनी अंतरिम रिपोर्ट सरकार को सौंपी। उसी रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने यह फैसला लिया है।

मां का बयान -भरत तिवारी की मां आशा देवी ने आयोग के समक्ष कहा कि उनका बेटा निर्दोष था। वह बाढ़ पीड़ितों की मदद और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाता था, इसी कारण उसे निशाना बनाया गया।

अब आगे क्या...

मुख्यमंत्री ने सहायता राशि और नौकरी के पद की घोषणा अभी नहीं की है। मामले की अंतिम जांच रिपोर्ट अभी आनी बाकी है। उस रिपोर्ट के आधार पर दोषियों पर आगे कार्रवाई की जाएगी।फिलहाल सरकार के इस निर्णय से पीड़ित परिवार को कुछ राहत मिली है।

कांग्रेस, टीएमसी और सपा ने स्पीकर की चाय पार्टी छोड़ी

- बिरला के बुलावे पर इंडिया ब्लॉक से सिर्फ कनिमोझी पहुंचीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में गुरुवार को लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद चाय पार्टी हुई।

लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला की ओर से आयोजित पार्टी में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के सांसद शामिल नहीं हुए। कांग्रेस नेता ने बताया कि कांग्रेस, सपा, टीएमसी और इंडिया ब्लॉक के कई अन्य दलों के नेता कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। हालांकि, डीएमके नेता कनिमोझी लोकसभा स्पीकर की पारंपरिक चाय पार्टी में शामिल हुईं। वहीं, राज्यसभा में विपक्षी नेताओं ने सभापति सीपी राधाकृष्णन की ओर से आयोजित चाय पार्टी में हिस्सा लिया। इनमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी भी शामिल थीं।

लोकसभा स्पीकर के कक्ष में कार्यक्रम

सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कई अन्य वरिष्ठ नेता और मंत्री लोकसभा स्पीकर के कक्ष में हुई चाय पार्टी में मौजूद थे। पारंपरिक रूप से लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा सभापति सत्र समाप्त होने पर अपने-अपने कक्ष में दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित होने के बाद चाय पार्टी आयोजित करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

डीसी ने किया रामगढ़ सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण, ड्यूटी से नदारद मिले तीन डॉक्टर

रामगढ़, एजेंसी। सदर अस्पताल, रामगढ़ में स्वास्थ्य व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए जिला प्रशासन की सख्ती लगातार जारी है. बुधवार को डीसी ऋतुराज ने एक बार फिर सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया. इस दौरान अस्पताल की व्यवस्था की हकीकत सामने आई तो उन्होंने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए.

अस्पताल में निरीक्षण के दौरान तीन चिकित्सक ड्यूटी से अनुपस्थित मिले. इनमें ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. कीर्ति सिन्हा, रेडियोलॉजिस्ट डॉ. राजन पांडे और डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. अजीत कुमार सिंह शामिल हैं. डीसी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तीनों चिकित्सकों से स्पष्टीकरण मांगने और अगले आदेश तक वेतन पर रोक लगाने का निर्देश दिया है.

डीसी ऋतुराज ने साफ संदेश दिया कि सदर अस्पताल में ड्यूटी के दौरान किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. उन्होंने कहा कि अस्पताल जिले की प्रमुख स्वास्थ्य संस्था है और यहां आने वाले मरीजों को बेहतर इलाज और सम्मानजनक सुविधाएं मुहैया कराना प्रशासन की प्राथमिकता है.

मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए डीसी ने ऑर्थो, गायनी और मेडिसिन विभाग में प्रतिदिन दो-दो ओपीडी संचालित करने का निर्देश दिया. इसका उद्देश्य मरीजों की भीड़ और अनावश्यक इंतजार को कम करना है.

निरीक्षण के दौरान डीसी ने केवल पदाधिकारियों से रिपोर्ट नहीं ली, बल्कि खुद वार्डों में पहुंचे और मरीजों से सीधा संवाद किया. उन्होंने मरीजों से पूछा कि उन्हें दवा, जांच, भोजन और इलाज की सुविधा समय पर मिल रही है या नहीं. मरीजों की समस्याओं को सुनकर संबंधित पदाधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए गए.

बोकारो में पत्नी के हत्यारे को आजीवन कारावास की सजा, साल 2024 का है मामला

बोकारो, एजेंसी। पत्नी की हत्या के मामले में पति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई. मामला चास मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पुपुनकी का है. महिला अपराध के विशेष न्यायाधीश ने आरोपी उमेश गोप को पत्नी की हत्या का दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई साथ ही अदालत ने उस पर 20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया.

मामले के बारे में जानकारी देते हुए स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर आर.के. राय ने बताया कि यह मामला साल 2024 का है. आरोपी उमेश गोप की शादी वर्ष 2014 में महुदा थाना क्षेत्र की रहने वाली रिंकी देवी से हुई थी. दोनों की एक पुत्री हुई थी, उसके जन्म के बाद दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया था. आरोप है कि उमेश अक्सर अपनी पत्नी के साथ मारपीट करता था और उसे घर से भी निकाल देता था.

घटना से कुछ दिन पहले भी मारपीट कर रिंकी देवी को घर से निकाल दिया गया था. इसके बाद 22 फरवरी 2024 को उमेश अपनी ससुराल पहुंचा और पत्नी को ठीक से रखने का वादा करते हुए माफी मांगी. उसी दिन शाम करीब पांच बजे वह रिंकी देवी को विदा कराकर अपने घर ले आया.

आरोप के अनुसार, उसी रात करीब दस बजे उमेश ने अपनी पत्नी के साथ मारपीट की और गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी. मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने आरोपी उमेश गोप को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई.

हजारीबाग में होमगार्ड बहाली में पैसे के लेनदेन का आरोप, दो गिरफ्तार

हजारीबाग, एजेंसी। जिले में लंबे समय के बाद होमगार्ड बहाली की प्रक्रिया शुरू हुई है. विज्ञापन संख्या 01/2019 के अंतर्गत कुल 1298 रिक्त पदों के लिए सफल घोषित किए गए अभ्यर्थियों के प्रमाण-पत्रों की भौतिक जांच की प्रक्रिया इन दिनों चल रही है. वहीं दूसरी ओर हजारीबाग पुलिस ने दो लोगों को बहाली के एवज में पैसे के लेनदेन के आरोप में गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस को साक्ष्य भी बरामद हुआ है. दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है. इस बात की पुष्टि एसडीपीओ सदर रुपक कुमार सिंह ने की है. जिसकी गिरफ्तारी हुई है, उसकी पहचान मटवारी मौहल्ला के जीतू कुमार मेहता और रंजित कुमार चौधरी है. जीतू कुमार मेहता खुद होमगार्ड का अभ्यर्थी है. वहीं गिरफ्तार रंजीत कुमार चौधरी होमगार्ड में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत हैं. सदर एसडीपीओ रूपक कुमार सिंह ने बताया अभ्यर्थी जीतू कुमार मेहता के मोबाइल में होमगार्ड के अभ्यर्थियों से रुपए के लेनदेन के साक्ष्य पुलिस को मिले हैं. आरोपी जीतू के मोबाइल से रंजित के मोबाइल में रुपए के लेनदेन से संबंधित चैट मिली है. होमगार्ड की एक महिला अभ्यर्थी ने बहाली के नाम पर उससे 20 हजार रुपए लेने का आरोप जीतू पर लगाया है.

चतरा पुलिस की त्वरित कार्रवाई:

रक्सी पुल के पास दूध डेयरी कर्मी से लूटपाट का 24 घंटे में उद्भेदन 4 आरोपी गिरफ्तार, हथियार सहित लूट का सामान बरामद

दैनिक अलग पहचान,
डेस्क संवाददाता, रांची

चतरा वशिष्ठ नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रक्सी पुल के पास बीती रात हुई लूटपाट की घटना का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर सफल उद्भेदन कर लिया है। झारखंड राज्य सहकारी दूध उत्पादक महासंघ लिमिटेड 'होशिल' में कार्यरत विकास कुमार से चार अपराधकर्मियों द्वारा मोबाइल और नकदी लूटने के मामले में पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

क्या थी घटना–प्राप्त जानकारी के अनुसार 12 अगस्त 2026 की रात्रि लगभग 1:00 बजे विकास कुमार अपनी ड्यूटी समाप्त कर 'होशिल' डेयरी से घर लौट रहे थे। जैसे ही वे रक्सी पुल के पास पहुंचे, पहले से घात लगाए चार अपराधकर्मियों ने उन्हें घेर लिया। आरोपियों ने चाकू और डंडे के बल पर उनसे मोबाइल फोन और जेब में रखे नकद रुपये छीन लिए और अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए।

प्राथमिकी दर्ज, गठित हुई विशेष टीम–घटना की सूचना मिलते ही वशिष्ठ नगर थाना में कांड संख्या- 118/26, दिनांक- 12.08.2026, भारतीय न्याय संहिता की धारा- 309(4)/309(6) के अंतर्गत एक नामजद तथा तीन अज्ञात अभियुक्तों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक, चतरा के निर्देश पर घटना के त्वरित उद्भेदन एवं आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) चतरा श्री सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया।

लगातार छापामारी से मिली सफलता–गठित टीम ने घटना स्थल के आसपास के क्षेत्रों में लगातार छापामारी अभियान चलाया। गुप्त सूचना और तकनीकी अनुसंधान के आधार पर पुलिस ने 13 अगस्त 2026 को कार्रवाई करते हुए कांड के सभी चारों अभियुक्तों को उनके घर ग्राम रक्सी से गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान इस प्रकार हुई है: 1. अरविंद कुमार, उम्र लगभग 19 वर्ष, पिता- बुधन भारती2. वीरेंद्र कुमार उर्फ वीरेंद्र गंजू, उम्र लगभग 20 वर्ष, पिता- कैलाश गंजू 3. अजीत कुमार, उम्र लगभग 20 वर्ष, पिता- प्रमोद गंजू4. प्रदीप कुमार, उम्र लगभग 20 वर्ष, पिता- भीम गंजू सभी निवासी- ग्राम रक्सी, थाना- वशिष्ठ नगर, जिला- चतरा

बरामदगी–पूछताछ के दौरान गिरफ्तार अभियुक्त अरविंद कुमार के पास से पुलिस ने घटना में लूटा गया मोबाइल फोन और 90 रुपये नकद बरामद किए।

इसके अलावा सभी आरोपियों के पास से घटना को अंजाम देने में प्रयुक्त निम्नलिखित सामान भी जब्त किए गए:1. लूटा गया मोबाइल फोन - 01 2. नकदी - 90 रुपये 3. चाकू - 01 4. कच्ची लकड़ी का डंडा - 01 5. लोहे की रॉड में लगी जंजीर का रिंग - 01

पुलिस ने सभी गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। उनसे पूछताछ कर यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या वे अन्य आपराधिक घटनाओं में भी शामिल हैं।

पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों में भय व्याप्त है और आम जनता ने पुलिस की सराहना की है।

छापामारी दल में शामिल पदाधिकारी

▶▶ इस सफल अभियान में निम्न पदाधिकारी और जवान शामिल थे:

1. सुनील कुमार सिंह, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), चतरा
2. पु.नि. विपिन कुमार, पुलिस निरीक्षक, हंटरगंज अंचल
3. पु.अ.नि. अमित कुमार सिंह, थाना प्रभारी, वशिष्ठ नगर थाना
4. पु.अ.नि. शिवा यादव, वशिष्ठ नगर थाना
5. स.अ.नि. दिलीप नामता, वशिष्ठ नगर थाना
6. वशिष्ठ नगर थाना के सशस्त्र बल

स्वतंत्रता दिवस राजकीय समारोह के सफल आयोजन को लेकर संयुक्त ब्रीफिंग

समारोह की सुरक्षा एवं सुचारू संचालन को लेकर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग

दैनिक अलग पहचान,
डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची।स्वतंत्रता दिवस 2026 के अवसर पर मोरहाबादी मैदान में आयोजित होने वाले राजकीय समारोह में माननीय मुख्यमंत्री, झारखंड हेमंत सोरेन द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा। समारोह के सफल, सुरक्षित एवं सुचारू आयोजन को लेकर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग आयोजित की गई।संयुक्त ब्रीफिंग में जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री, वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन, पुलिस अधीक्षक यातायात राकेश सिंह एवं अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) धनंजय ने प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को संयुक्तादेश में निर्धारित दायित्वों एवं आवश्यक दिशा-निर्देशों से अवगत कराया।जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा सभी प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे अपने कार्य, दायित्व एवं प्रतिनियुक्ति स्थल की पूरी जानकारी रखें तथा निर्धारित समय से पूर्व अपने-अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर पहुंचकर दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करें। उन्होंने मुख्य अतिथियों एवं विशिष्ट अतिथियों के आगमन और निर्गमन की व्यवस्था को और समयबद्ध एवं व्यवस्थित तरीके से सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने समारोह की सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए निर्देश दिया कि कार्यक्रम में आने वाले सभी आगंतुकों की निर्धारित मानकों के अनुरूप जांच सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि कोई भी अवांछित व्यक्ति अथवा आपत्तिजनक सामग्री समारोह स्थल में प्रवेश न कर पाए, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। सुरक्षा व्यवस्था में तैनात सभी पदाधिकारी एवं जवान अपने दायित्वों के प्रति पूरी तरह सतर्क एवं सजग रहें।पुलिस अधीक्षक यातायात राकेश सिंह ने समारोह के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने, निर्धारित रूट एवं पार्किंग व्यवस्था का अनुपालन सुनिश्चित कराने तथा आम लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिये।

सुरक्षा दृष्टिकोण से ड्रोन पर रोक–संयुक्त ब्रीफिंग में बताया गया कि सुरक्षा दृष्टिकोण से समारोह के दौरान ड्रोन से वीडियोग्राफी/फोटोग्राफी पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। सिर्फ सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा अधिकृत ड्रोन के माध्यम से ही वीडियोग्राफी/फोटोग्राफी की जाएगी।प्रशासन द्वारा स्वतंत्रता दिवस समारोह को गरिमापूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां एवं सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित किए जा रहे हैं।

सदर अस्पताल में RBSK के तहत आयोजित क्लब फुट (Club Foot) विशेष उपचार शिविर में 33 बच्चों का हुआ इलाज

दैनिक अलग पहचान,
डेस्क संवाददाता, रांची /

धनबाद।जिला प्रशासन, धनबाद के सौजन्य से राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (RBSK) के तहत सदर अस्पताल में आयोजित विशेष स्वास्थ्य अभियान के दौरान बच्चों के जन्मजात पैर के टेढ़ेपन यानी क्लब फुट (Club Foot) के इलाज और परामर्श के लिए विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 33 बच्चों की निःशुल्क जांच, उपचार एवं दवाइयों का वितरण किया गया।

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देशानुसार सदर अस्पताल में 11 अगस्त से जारी इस विशेष अभियान के अंतर्गत बच्चों को विभिन्न गंभीर समस्याओं (जैसे–दंत रोग, ऑर्थोपेडिक, त्वचा रोग, न्यूरोसर्जरी आदि) का निःशुल्क इलाज दिया जा रहा है। इसी कड़ी में आगामी 24 अगस्त 2026 को कटे होंठ एवं तालु (Cleft Lip & Palate) से पीड़ित बच्चों के लिए समर्पित विशेष जांच एवं उपचार शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन धनबाद ने जिले के आम नागरिकों से अपील की है कि वे जागरूक बनें और जरूरतमंद व चिन्हित बच्चों को सदर अस्पताल लाकर इस जन-कल्याणकारी योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

शिविर में दी गई प्रमुख सेवाएं और विवरण:

प्लास्टर (Plaster): 7 बच्चे
स्पेशल शूज़ (Shoes): 2 बच्चे
आर्च सपोर्ट (Arch Support): 2 बच्चे
स्पेशल केसेस (Special Cases): 3 बच्चे
फॉलो-अप एवं निःशुल्क दवा वितरण: 19 बच्चे
कुल लाभांवित बच्चे: 33

पाकुड़ में दो माह के बच्चे की हत्या, पुलिस हिरासत में माता-पिता

पाकुड़, एजेंसी। जिला में सदर प्रखंड के संग्रामपुर गांव में मासूम बच्चे की गला घोंटकर हत्या का मामला सामने आया है. हत्या की सूचना मिलते ही मुफसिल थाना की पुलिस संग्रामपुर गांव पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया.

पुलिस की पूछताछ के क्रम में बच्ची की मां ने अपने पति पर हत्या का आरोप लगाया. वहीं पति ने अपने बचाव में उसकी मां पर ही हत्या का आरोप लगा दिया है. इसी तरह एक दूसरे के खिलाफ आरोप लगाने को लेकर पुलिस ने बच्चे की मां, पिता एवं एक अन्य को हिरासत लेकर थाना में पूछताछ कर रही है. इस घटना की पुष्टि थाना प्रभारी गौरव कुमार ने की.

मुफसिल थाना प्रभारी गौरव कुमार ने बताया कि संग्रामपुर गांव से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति ने अपने दो माह के बच्चे की गला घोंटकर हत्या कर दी है. जानकारी मिलने पर पुलिस पहुंची और शव को अपने कब्जे में ले लिया और जब बच्चे के परिजनों से पूछताछ शुरू की गयी.

पुलिस पदाधिकारी को एक-दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप कर दिग्भ्रमित करने का काम किया जिस कारण पिता सारजेन शेख, बच्ची की मां एवं नानी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है. मिली जानकारी के मुताबिक सारजेन शेख एवं उसकी उसकी पत्नी के बीच विवाद होता रहता था. मंगलवार को जब आसपास के लोग शोर सुनकर पहुंचे तो उनके होश उड़ गये. ग्रामीणों ने घटना की जानकारी मुफसिल थाना को दी. सूचना मिलते ही थाना प्रभारी गौरव कुमार अन्य पदाधिकारी दलबल पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लिया और तीनों को हिरासत में लेकर थाना में पूछताछ जारी है.

रांची में विभिन्न मांगों को लेकर धरने पर बैठा दिव्यांग आंदोलन संघ, सरकार पर लगाया अनदेखी का आरोप

रांची, एजेंसी। अपनी मांगों को लेकर झारखंड दिव्यांग आंदोलन संघ ने बुधवार को रांची के अल्बर्ट एक्का चौक के सामने प्रदर्शन किया. संघ के सदस्यों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए दिव्यांग, वृद्ध और विधवा पेंशन समेत अन्य मांगों को जल्द पूरा करने की अपील की.

लोक भवन के सामने पिछले 737 दिनों से अनिश्चितकालीन धरना जारी है लेकिन सरकार अब तक उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं कर रही है. संघ ने आरोप लगाया कि दिव्यांग और अन्य जरूरतमंद लोगों की मांगें बेहद मामूली हैं, फिर भी लंबे समय से आंदोलन के बावजूद सरकार की ओर से अपेक्षित पहल नहीं की जा रही है.

झारखंड दिव्यांग आंदोलन संघ की प्रमुख मांगों में दिव्यांगों को मिलने वाली सहायता राशि को 1,000 से बढ़ाकर 2,500 प्रति माह करने की मांग शामिल है. संघ का कहना है कि मौजूदा महंगाई के दौर में 1,000 की सहायता राशि से दिव्यांगजनों की जरूरतें पूरी करना मुश्किल है. ऐसे में सरकार को सहायता राशि में बढ़ोतरी करनी चाहिए.

संघ ने राज्य में निःशक्तता आयुक्त का पद जल्द भरने की भी मांग की है. प्रदर्शनकारियों का कहना है कि दिव्यांगजनों से जुड़े मामलों के प्रभावी समाधान और उनके अधिकारों की निगरानी के लिए यह पद महत्वपूर्ण है. इसलिए लंबे समय से खाली पड़े पद को जल्द भरा जाना चाहिए. आग्रह किया गया कि किसी निशक्त को ही इस आयोग का आयुक्त बनाया जाए.

संघ ने सवाल उठाया कि जब दिव्यांग आंदोलन संघ लगातार 737 दिनों से धरना दे रहा है, तो सरकार अब तक उनकी मांगों को लेकर ठोस निर्णय क्यों नहीं ले रही है. प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे सरकार से टकराव नहीं, बल्कि दिव्यांगजनों को उनका सम्मान और अधिकार दिलाने की मांग कर रहे हैं.

झारखंड दिव्यांग आंदोलन संघ ने मुख्यमंत्री से अपील की है कि दिव्यांगजनों की समस्याओं को संवेदनशीलता से देखते हुए उनकी मांगों पर जल्द निर्णय लिया जाए और 737 दिनों से चल रहे धरने को समाप्त कराने की दिशा में ठोस पहल की जाए.

स्वतंत्रता दिवस के पूर्व फुल ड्रेस रिहर्सल संपन्न

उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने किया अंतिम पूर्वाभ्यास का निरीक्षण, तैयारियों का लिया जायजा

दैनिक अलग पहचान,
डेस्क संवाददाता ,रांची /

साहिबगंज।साहिबगंज स्वतंत्रता दिवस समारोह-2026 के सफल एवं गरिमामय आयोजन को लेकर आज मुख्य समारोह स्थल सिद्धो-कान्हू स्टेडियम, साहिबगंज में बुधवार को फुल ड्रेस रिहर्सल का आयोजन किया गया। उपायुक्त दीपक कुमार दूबे एवं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से परेड के अंतिम पूर्वाभ्यास का निरीक्षण किया।फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान पुलिस बल, एनसीसी कैडेट्स तथा विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुरूप परेड का पूर्वाभ्यास किया गया। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने परेड की विभिन्न टुकड़ियों का निरीक्षण करते हुए सलामी ली तथा जवानों एवं प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान सार्जेंट मेजर एवं सार्जेंट के नेतृत्व में परेड की टुकड़ियों ने अनुशासित एवं गरिमापूर्ण ढंग से मार्च-पास्ट का पूर्वाभ्यास किया। पूर्वाभ्यास कार्यक्रम से पूर्व उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके पश्चात ध्वजारोहण का पूर्वाभ्यास किया गया तथा परेड की सलामी ली गई। स्कूली छात्राओं द्वारा ध्वजारोहण से पूर्व राष्ट्रीय गीत एवं ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान का भी पूर्वाभ्यास किया गया।उपायुक्त ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के सफल आयोजन को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि समारोह स्थल पर सभी व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण की जाएं। उन्होंने अतिथियों एवं आम नागरिकों के बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात, मंच, पंडाल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया।पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था से संबंधित तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मुख्य समारोह स्थल पर भव्य पंडाल एवं अन्य व्यवस्थाओं का कार्य अंतिम चरण में है।स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर ध्वजारोहण एवं परेड के पश्चात विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को जिला प्रशासन की ओर से सम्मानित किया जाएगा।इसके अतिरिक्त सभी सरकारी कार्यालयों एवं विद्यालयों में मुख्य समारोह स्थल पर निर्धारित झंडोत्तोलन कार्यक्रम से पूर्व ध्वजारोहण किया जाएगा। फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के अलावा जिले के वरीय पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, जवान, एनसीसी कैडेट्स, विद्यालयों के छात्र-छात्राएं एवं संबंधित कर्मी उपस्थित रहे।

ध्वजारोहण की समय-सारणी

- सिद्धो-कान्हू स्टेडियम, मुख्य समारोह स्थल – पूर्वाह्न 9:15 बजे
- समाहरणालय, साहिबगंज – पूर्वाह्न 10:35 बजे
- विकास भवन, साहिबगंज – पूर्वाह्न 10:55 बजे
- पुलिस अधीक्षक कार्यालय – पूर्वाह्न 11:15 बजे
- पुलिस लाइन कार्यालय– पूर्वाह्न 11:25 बजे
- अनुमंडल कार्यालय, साहिबगंज – पूर्वाह्न 11:45 बजे

संक्षिप्त समाचार

शहरों में अब पानी लेना पड़ेगा महंगा, नगर विकास विभाग को सौंपी गई समीक्षा रिपोर्ट

रांची, एजेंसी। झारखंड के शहरी क्षेत्रों में नया वाटर कनेक्शन लेना आने वाले दिनों में महंगा हो सकता है. राज्य के 30 नगर निकायों ने अपने-अपने क्षेत्रों में पिछले तीन वर्षों के दौरान वाटर कनेक्शन और वाटर सप्लाई व्यवस्था से संबंधित समीक्षा रिपोर्ट नगर विकास एवं आवास विभाग को सौंप दी है. इन रिपोर्टों और प्राप्त आंकड़ों के आधार पर विभाग अब शुल्क में संशोधन की संभावनाओं का गहन अध्ययन कर रहा है. हालांकि, अभी नई दरें तय नहीं की गई हैं.

नगर निकायों के अनुसार, वर्तमान व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए राजस्व बढ़ाना आवश्यक हो गया है. मौजूदा वाटर सप्लाई व्यवस्था के रखरखाव, पाइपलाइन नेटवर्क के रख-रखाव और नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता है. नए क्षेत्रों में पाइपलाइन बिछाने और बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए निकायों को फंड की जरूरत है. इसी को ध्यान में रखते हुए वाटर कनेक्शन शुल्क में संशोधन का प्रस्ताव तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की गई है.

विभाग से जुड़े सूत्रों के अनुसार, यदि इस शुल्क संशोधन प्रस्ताव को हरी झंडी मिलती है, तो नई दरें राज्य के सभी 49 नगर निकायों में एक साथ लागू की जा सकती हैं. इसका सीधा असर शहरी क्षेत्रों में नए वाटर कनेक्शन के लिए आवेदन करने वाले आम लोगों की जेब पर पड़ेगा. हालांकि, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि नई दरों में कितने प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी. इसका अंतिम फैसला सभी 30 निकायों के आंकड़ों के विस्तृत अध्ययन और राज्य स्तर पर तैयार होने वाले अंतिम प्रस्ताव के बाद ही लिया जाएगा.

जमशेदपुर में स्थापित होगी रामदास सोरेन की प्रतिमा, 15 को सीएम करेंगे अनावरण

जमशेदपुर, एजेंसी। टेल्को स्थित खडंगाझाड़ झंडा चौक में पूर्व मंत्री व झामुमो के कद्दावर नेता स्वर्गीय रामदास सोरेन की पहली पुण्यतिथि पर उनकी भव्य आदमकद प्रतिमा स्थापित की जाएगी. इस प्रतिमा का निर्माण राजस्थान के विशेष संगमरमर (मार्बल) से कुशल कारीगरों द्वारा कराया गया है. 15 अगस्त को दोपहर 1:30 बजे पूरे विधि-विधान और धार्मिक अनुष्ठान के साथ इस प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा. इस आयोजन को लेकर क्षेत्र के लोगों और झामुमो कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समेत कोल्हान के सभी दिग्गज नेता होंगे शामिल घाटशिला के विधायक सह स्व. रामदास सोरेन के सुपुत्र सोमेश चंद्र सोरेन ने बताया कि प्रतिमा अनावरण समारोह के लिए राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को आमंत्रित किया गया है. मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में शामिल होने की अपनी सहमति प्रदान कर दी है, हालांकि उनके आधिकारिक मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम का इंतजार है. समारोह में कोल्हान प्रमंडल के सभी मंत्री, विधायक और वरिष्ठ जन प्रतिनिधि शिरकत करेंगे. इसके अलावा, पूर्वी सिंहभूम जिले के सभी प्रखंडों से झामुमो के अध्यक्ष, सचिव और हजारों कार्यकर्ता दलबल के साथ इस पल के गवाह बनेंगे.

सर्वमान्य व लोकप्रिय जननेता के रूप में याद किए जाते हैं रामदास सोरेन स्वर्गीय रामदास सोरेन केवल पूर्वी सिंहभूम जिले के ही नहीं, बल्कि पूरे झारखंड के एक सर्वमान्य और हरदिल अजीज नेता थे. उन्होंने अपने लंबे राजनीतिक जीवन में जनसेवा और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को हमेशा प्राथमिकता दी. कार्यकर्ताओं के साथ उनका आत्मीय जुड़ाव और जनता के प्रति समर्पण ही उनकी सबसे बड़ी पहचान थी. खडंगाझाड़ में उनकी प्रतिमा की स्थापना उनके प्रति जनता के असीम श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक है, जो आने वाली पीढ़ियों को उनके आदर्शों और पदचिह्नों पर चलने की प्रेरणा देती रहेगी.

रिनपास निदेशक पद के लिए विज्ञापन जारी, 8 सितंबर तक कर सकेंगे आवेदन

रांची, एजेंसी। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने रिनपास के निदेशक पद पर नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी किया है. निदेशक का चयन नयी नियमावली के प्रावधानों के तहत किया जाएगा. इस बार नियुक्ति प्रक्रिया में मनोचिकित्सा के विशेषज्ञों के साथ-साथ संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों को भी आवेदन का अवसर दिया गया है. इच्छुक और योग्य अभ्यर्थी 8 सितंबर तक आवेदन कर सकेंगे. विभाग की ओर से निर्धारित योग्यता और अन्य शर्तों के आधार पर आवेदनों की जांच के बाद निदेशक पद के लिए चयन प्रक्रिया आगे बढ़ायी जाएगी. नई नियमावली के तहत होने वाली इस नियुक्ति को रिनपास के प्रशासनिक और चिकित्सकीय संचालन के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है.

राष्ट्रीय टीम में एंट्री की जंग शुरू, 797 खिलाड़ियों ने चयन प्रक्रिया में झोंकी पूरी ताकत

रांची, एजेंसी। 70वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता 2026-27 में झारखंड की ओर से प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों के चयन के लिए राज्य स्तरीय खुली चयन प्रक्रिया बुधवार से शुरू हो गई. स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार के अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद्, रांची की ओर से आयोजित चयन प्रक्रिया में पहले दिन विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, फिटनेस और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का प्रदर्शन किया.

अलग-अलग खेल स्थलों पर आयोजित चयन प्रक्रिया में कुल 797 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया. बुधवार को नौ खेलों में खिलाड़ियों का चयन परीक्षण हुआ. इनमें कुश्ती फ्री स्टाइल में सबसे अधिक 167 खिलाड़ियों ने भाग लिया. वहीं, कुश्ती ग्रीको रोमन में 46, टेबल टेनिस में 91, योग में 178, जिम्नास्टिक में 41, सॉफ्टबॉल में 35, भारोत्तोलन में 37, बास्केटबॉल में 128 और तैराकी में 74 खिलाड़ी शामिल हुए. कुल प्रतिभागियों में 479 बालक और 318 बालिका खिलाड़ी रहीं.

चयन प्रक्रिया के दौरान विभिन्न खेल स्थलों पर खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखने को मिला. राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व करने का मौका पाने के लिए खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन में कोई कमी नहीं छोड़ी. कुश्ती के अखाड़े में खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया तो टेबल टेनिस में तकनीक और तेजी का प्रदर्शन देखने को मिला. योग और जिम्नास्टिक में खिलाड़ियों की शारीरिक क्षमता तथा संतुलन की परीक्षा हुई. वहीं, बास्केटबॉल और सॉफ्टबॉल में टीम गेम के साथ व्यक्तिगत कौशल को भी परखा गया. तैराकी में खिलाड़ियों ने अपनी गति और फिटनेस का प्रदर्शन किया. झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद् के कार्यक्रम पदाधिकारी धीर सेन सोरेंग ने बताया कि राज्य स्तरीय खुली चयन प्रक्रिया का उद्देश्य प्रतिभाशाली स्कूली खिलाड़ियों को बेहतर मंच उपलब्ध कराना और राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता के लिए झारखंड की मजबूत टीम तैयार करना है. उन्होंने कहा कि चयन प्रक्रिया निर्धारित मानकों के अनुसार पारदर्शी तरीके से की जा रही है. खिलाड़ियों के खेल कौशल, तकनीकी दक्षता, फिटनेस, प्रदर्शन और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का मूल्यांकन किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि राज्य के विभिन्न जिलों से खिलाड़ी चयन प्रक्रिया में शामिल होने पहुंचे हैं. यह प्रक्रिया खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा साबित करने के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर झारखंड का प्रतिनिधित्व करने का महत्वपूर्ण अवसर है. चयनित खिलाड़ियों को आगे राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में राज्य का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा.

चयन प्रक्रिया का अगला चरण 13 अगस्त 2026 को रांची के खेलगांव स्थित विभिन्न स्टेडियम में अलग-अलग खेलों के लिए चयन परीक्षण आयोजित किया जाएगा. इसमें बास्केटबॉल बालक, खो-खो, गतका, कुश्ती बालिका, नेटबॉल, सेपक टेकरा और बैडमिंटन बालक के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे.

इसके लिए संबंधित खेलों के खिलाड़ियों में भी उत्साह देखा जा रहा है. छ्वश्चक्क की ओर से आयोजित यह चयन प्रक्रिया स्कूली स्तर पर खेल प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है. खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर झारखंड की टीम का चयन किया जाएगा, जो 70वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में राज्य का प्रतिनिधित्व करेगी.

आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट कार्ड बनाने में लातेहार 'अव्वल', 20 हजार से ज्यादा लोगों की ई-केवाईसी पूरी

लातेहार, एजेंसी। स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में भले ही लातेहार चुनौतियों से जूझ रहा हो लेकिन स्वास्थ्य योजनाओं को धरातल पर उतारने के मामले में लातेहार जिले एक मिसाल कायम की है. आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट कार्ड बनाने में लातेहार जिला पूरे झारखंड राज्य में पहले स्थान पर है.

दरअसल, लातेहार जिला स्वास्थ्य सुविधा के मामले में काफी पिछड़ा हुआ जिला माना जाता है. स्वास्थ्य विभाग में स्वास्थ्य कर्मियों की कमी यहां की सबसे बड़ी चिंता है. चिकित्सकों और चिकित्सा पदाधिकारी की भारी कमी होने के बावजूद स्वास्थ्य योजनाओं को धरातल पर उतारने के मामले में लातेहार जिला कभी भी बड़े जिलों से पीछे नहीं रहा है. उपलब्ध संसाधनों में ही जिले में कार्यरत पदाधिकारी और कर्मी समन्वय बनाकर स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं को लक्ष्य तक पहुंचाने में लगे रहते हैं. इसी का परिणाम है कि भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट कार्ड को लक्ष्य के अनुरूप धरातल पर उतारने में लातेहार जिला, झारखंड के सभी जिलों को पीछे छोड़ते हुए पहले स्थान पर पहुंच गया है. यदि जुलाई और अगस्त महीने की बात की जाए तो 1 जुलाई से लेकर 10 अगस्त तक लातेहार जिले में 20 हजार से अधिक लोगों के आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट योजना का ई-केवाईसी हो चुका है. यदि इस योजना में अब तक की पूरी उपलब्धि की बात की जाए तो लातेहार जिले में ओवरऑल लगभग 65% लोगों का आभा कार्ड बन चुका है.

देवेंद्र नाथ से कृषि मंत्री ने की मुलाकात, बोली- छात्रों की मांग पर सरकार संवेदनशील, संवाद के माध्यम से ही समाधान संभव

रांची, एजेंसी। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने रांची के सदर अस्पताल में इलाजरत भूख हड़ताल पर बैठे देवेंद्र नाथ महतो से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली. कृषि मंत्री ने इलाजरत अन्य छात्रों से भी मुलाकात कर उनका हालचाल लिया. लगातार नौ दिनों से अनशन पर बैठे छात्रों की स्वास्थ्य स्थिति को लेकर उन्होंने गंभीर चिंता व्यक्त की है.

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार छात्रों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगों को रखने वाले हर छात्र-छात्राओं के साथ सरकार की पूरी सहानुभूति और संवेदना है. कृषि मंत्री ने सभी अनशनकारी छात्रों से अलग-अलग बातचीत की तथा उनकी मांगों, समस्याओं और आंदोलन से जुड़े विभिन्न पहलुओं को विस्तार से समझा.

उन्होंने कहा कि छात्रों की अधिकांश मांगों पर सरकार पहले ही सकारात्मक पहल करते हुए सहमति जता चुकी है, बाकी मांगों के समाधान को लेकर भी सरकार का रुख सकारात्मक है. संवाद के माध्यम से समाधान निकालने के लिए सरकार के दरवाजे हमेशा खुले हैं.

मुलाकात के दौरान अनशनकारी छात्रों ने जानकारी दी कि सरकार के साथ बातचीत के लिए आंदोलनकारियों की ओर से गठित डेलीगेशन टीम में अनशन पर बैठे छात्रों को शामिल नहीं किया गया था. छात्रों से बातचीत में कई महत्वपूर्ण तथ्य और परिस्थितियां सामने आई हैं, जिन्हें पूरे मामले को समझने के लिए गंभीरता से देखा जाना आवश्यक है.

छात्रों से मुलाकात के बाद कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि छात्रों से बातचीत हुई. उनके द्वारा साझा किए गए सभी महत्वपूर्ण तथ्यों से वह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को अवगत कराएंगी. उन्होंने कहा कि सरकार का स्पष्ट मत है कि किसी भी समस्या का समाधान टकराव से नहीं, बल्कि संवाद, संवेदना और सकारात्मक पहल के माध्यम से ही संभव है. उन्होंने कहा कि हमारे युवा और छात्र ही राज्य की असली ताकत और भविष्य हैं. उनकी समस्याओं और भविष्य से जुड़े विषयों को संवेदनशीलता के साथ सुना जाना चाहिए. सरकार की प्राथमिकता है कि छात्रों की जायज मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए बातचीत के माध्यम से ऐसा समाधान निकाला जाए, जो सभी पक्षों के हित में हो. इस दौरान कृषि मंत्री ने अनशनकारी छात्रों से अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने और सकारात्मक संवाद के माध्यम से समाधान की प्रक्रिया में विश्वास बनाए रखने की अपील की.

गढ़वा में जेन एल्फा का आंदोलन, थाना पर किया पथराव, एक जवान का सिर फटा

गढ़वा, एजेंसी। देश भर में जहां त्नद्गठ्ठ अपने अधिकारों के लिए आंदोलन करते दिख रहे हैं, वहीं जेन एल्फा भी पीछे नहीं है. ताजा मामला, झारखंड के गढ़वा जिले का है जहां जेन अल्फा का जबरदस्त आंदोलन देखने को मिला.

बच्चों के इस प्रदर्शन से ब्लॉक से लेकर जिला स्तर तक हड़कंप मच गया. उन्होंने सड़कें जाम कर दीं और यहां तक कि पुलिस स्टेशन पर पत्थरबाजी भी की, जिससे एक पुलिस जवान का सिर फट गया. प्रमुख की गाड़ी पर भी हमला किया गया, जिससे उन्हें अपनी जान बचाकर भागना पड़ा.

दरअसल, गढ़वा जिले के कांडी में जेन अल्फा उस वक्त आक्रोशित हो गए, जब उनके एक टीचर का ट्रांसफर कर दिया गया. कांडी थाना के पास स्थित +2 हाई स्कूल के टीचर मलय सिंह का ट्रांसफर कर दिया गया. जिसके बाद स्कूल के छात्र नाराज हो गए.

पिछले तीन दिनों से छात्र अपने शिक्षक के ट्रांसफर को रोकने के लिए आंदोलन कर रहे हैं. लेकिन इस आंदोलन ने आज उस समय हिंसक रूप ले लिया जब सड़क जाम कर रहे जेन एल्फा के बीच प्रखंड के प्रमुख पिंकू पांडेय समझाने पहुंचे. लेकिन यहां बात बिगड़ गई और प्रमुख ने एक छात्र को थप्पड़ जड़ दिया.

इससे छात्र आक्रोशित हो गए और देखते ही देखते प्रमुख की गाड़ी में तोड़-फोड़ शुरू कर दी. प्रमुख वहां से अपनी जान बचाकर पुलिस थाने पहुंचे और वहां शरण ली. लेकिन पीछे-पीछे बच्चे भी थाना पहुंच गए और थाना पर भी पथराव करने लगे. इस पत्थरबाजी में एक पुलिस जवान का सिर फट गया.

फिलहाल, बच्चे अभी भी शिक्षक का तबादला रोकने पर अडिग हैं और घटना मे शामिल दोषियों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं. उन्होंने सड़क भी जाम कर दिया. एसडीपीओ दिलू लोहरा ने बताया कि घटना को लेकर वरीय अधिकारियों को सूचित कर दिया गया है, मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल भेजा जा रहा है. बच्चों को समझाने-बुझाने की कोशिशें भी की जा रही हैं.

दुमका में स्वतंत्रता दिवस पर राज्यपाल फहराएंगे तिरंगा, परेड का हुआ फुल ड्रेस रिहर्सल

दुमका, एजेंसी। झारखंड की उपराजधानी दुमका में इस बार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ध्वजारोहण करेंगे. इसे लेकर गुरुवार को पुलिस लाइन मैदान में पूरी तैयारी के साथ रिहर्सल किया गया.

प्रशासन द्वारा स्वतंत्रता दिवस समारोह की व्यापक तैयारियां की गई हैं. इस अवसर पर आयोजित होने वाली परेड का पुलिस लाइन मैदान में रिहर्सल किया गया. 15 अगस्त को पुलिस लाइन मैदान में झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार तिरंगा फहराएंगे. इस अवसर पर वह राष्ट्रीय ध्वज की सलामी लेंगे और परेड का निरीक्षण करेंगे. इस अवसर पर आयोजित होने वाले परेड को आईपीएस अधिकारी वेदांत शंकर कमांड करेंगे. उनके साथ द्वितीय कमांडिंग ऑफिसर के तौर पर दुमका एसडीपीओ दिलीप खलखो होंगे. परेड में 14 प्लाटून शामिल होंगे, जिसमें आईआरबी, एसआईआरबी, जिला पुलिस बल और गृह रक्षा वाहिनी शामिल हैं.

दुमका के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा और पुलिस अधीक्षक पीतांबर सिंह खेरवार ने अपनी टीम के साथ समारोह की व्यापक तैयारी की है. उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने कहा कि पुलिस लाइन मैदान में स्वतंत्रता दिवस समारोह में बेहतर आयोजन के लिए सभी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं. सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं. इस संबंध में सभी अधिकारियों को उनकी संबंधित जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं.

उपायुक्त ने बताया कि राज्यपाल 14 अगस्त की शाम में ही दुमका जाएंगे और 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेंगे. उन्होंने बताया कि इस अवसर पर काफी संख्या में स्थानीय लोग आते हैं, उनके लिए शेड भी बनाया गया है ताकि उन्हें धूप में कोई परेशानी न हो. इधर एसपी पीतांबर सिंह खेरवार ने कहा कि सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं.

आईआईटी आईएसएम की बड़ी कामयाबी, वेस्ट से सैंड का विकल्प किया तैयार, अंडरग्राउंड माइंस में बैकफिलिंग को मिलेगी नई दिशा

धनबाद, एजेंसी। खदानों में बैकफिलिंग के लिए प्राकृतिक बालू पर बढ़ती निर्भरता के बीच आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के शोधकर्ताओं ने कचरे से एक पर्यावरण अनुकूल विकल्प तैयार किया है. माइनिंग इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. भंवर सिंह चौधरी के नेतृत्व में रिसर्च टीम ने फ्लाई ऐश और प्लास्टिक वेस्ट से ऐसा मटेरियल विकसित किया है, जिसका इस्तेमाल अंडरग्राउंड माइंस में खाली जगहों की बैकफिलिंग के लिए किया जा सकता है.

पोलैंड के विशेषज्ञों के सहयोग से विकसित इस मटेरियल को फ्लाई ऐश-प्लास्टिक एग्रीगेट यानी एफपीए नाम दिया गया है. खास बात यह है कि इस तकनीक में एक साथ दो बड़ी पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान की कोशिश की गई है. एक तरफ कोयला आधारित बिजली संयंत्रों से निकलने वाली फ्लाई ऐश का निपटारा चुनौती बनी हुई है, वहीं दूसरी ओर प्लास्टिक वेस्ट पर्यावरण पर लगातार दबाव बढ़ा रहा है.

रिसर्च टीम ने 80 प्रतिशत फ्लाई ऐश और 20 प्रतिशत हाई डेंसिटी पॉलीएथिलीन यानी एचडीपीई प्लास्टिक वेस्ट को थर्मल प्रोसेस के जरिए मिलाकर एफपीए तैयार किया है. यह रिसर्च मिनिस्ट्री ऑफ कोल से फंडेड प्रोजेक्ट के तहत प्रो. चौधरी और उनके रिसर्च स्कॉलर डॉ. मुनिपाला मनोहर ने की है.

अंडरग्राउंड माइनिंग के दौरान खनन के बाद जमीन के नीचे बड़ी संख्या में खाली स्थान बन जाते हैं. इन जगहों को भरने के लिए लंबे समय से प्राकृतिक सैंड का इस्तेमाल किया जाता रहा है, लेकिन माइनिंग और निर्माण गतिविधियों के विस्तार के साथ प्राकृतिक बालू की मांग बढ़ती जा रही है. ऐसे में एफपीए को भविष्य में इसका एक वैकल्पिक माध्यम माना जा रहा है.

लैब टेस्ट में एफपीए ने कई ऐसे गुण प्रदर्शित किए, जो इसे बैकफिलिंग के लिए उपयोगी बनाते हैं. शोध के मुताबिक यह मटेरियल मजबूत और टिकाऊ होने के साथ पानी की निकासी में भी मददगार है. प्राकृतिक सैंड की तुलना में इसका वजन कम होने से इसे स्लरी पाइपलाइन के जरिए भूमिगत खदानों तक पहुंचाना भी अपेक्षाकृत आसान हो सकता है.

रिसर्च में एफपीए के कणों की सतह खुरदरी और कोणीय पाई गई. इसकी वजह से कण एक-दूसरे के साथ बेहतर तरीके से इंटरलॉक हो जाते हैं.

जेपीएससी-जेएसएससी विवाद पर बाबूलाल का बड़ा हमला, कहा- केंद्रीय जांच से बचाने के लिए आरोपियों को संरक्षण दे रही सरकार

रांची, एजेंसी। झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है. नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर बाबूलाल मरांडी ने कहा कि सरकार अब तक छात्रों से जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में हुई कथित धांधली की ईडी से जांच कराने की बात कहती रही. लेकिन ईडी की ओर से एफआईआर दर्ज होते ही पूर्व मुख्य सचिव और पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांग्ते को सीआईडी ने गिरफ्तार कर लिया.

नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि कथित तौर पर नौकरी बेचने के मामले में मुख्यमंत्री के करीबी बताए जाने वाले विनोद सिंह, मुख्य सचिव अविनाश कुमार के सहयोगी धर्मेंद्र और पूर्व मुख्य सचिव एल ख्यांग्ते जैसे नाम सामने आए हैं. जिसके बाद राज्य की जांच एजेंसियों की निष्पक्षता पर सवाल उठना स्वाभाविक है. बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर सीधा निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सरकार आरोपियों को गिरफ्तार कर उन्हें संरक्षण देने की कोशिश कर रही है. जिससे केंद्रीय जांच एजेंसियों की जांच की आंच ऊपर तक न पहुंचे. शंका के चलते सरकार सीबीआई जांच से लगातार बच रही है.

संक्षिप्त समाचार

नालंदा में गरजी बंदूकें! युवक की गोली मारकर हत्या, दारोगा जख्मी

नालंदा, एजेंसी। बिहार के नालंदा के चिकसौरा थाना क्षेत्र के गोंदुविगहा गांव में नाली-गली के विवाद ने गुरुवार को खूनी रूप ले लिया. विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुई गोलीबारी में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई. मृतक की पहचान विजय पासवान के 30 वर्षीय पुत्र अजय कुमार के तौर पर हुई है. गोली युवक के सीने में लगी थी. वहीं एक दारोगा भी जख्मी हुए हैं.

युवक की गोली मारकर हत्या : घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि तीन दिन पहले नाली और रास्ते के विवाद को लेकर दोनों पक्षों की महिलाओं के बीच मारपीट हुई थी. सामाजिक लोगों और पुलिस की पहल पर उस समय मामला शांत करा दिया गया था.

दारोगा हुए जख्मी: गुरुवार सुबह इसी विवाद को लेकर दोनों पक्षों में फिर कहासुनी शुरू हो गई. दोनों पक्षों की ओर से ईंट-पत्थर फेंके जाने लगे. सूचना पर पहुंची पुलिस जब लोगों को समझाने में लगी थी, उसी दौरान पथराव से दारोगा राजकुमार जख्मी हो गए. उनके सिर पर चोट लगी है.

गोलीबारी से मची अफरातफरी : देखते ही देखते मामला लाठी-डंडे और पथराव से मारपीट तक पहुंच गया. इसी दौरान अचानक गोलीबारी शुरू हो गई. गोलीबारी से गांव में अफरातफरी मच गई. लोग जान बचाने कर इधर-उधर भागने लगे. इसी बीच अजय कुमार को सीने में गोली लग गई. वह खून से लथपथ होकर मौके पर गिर पड़े.

पीएमसीएच ले जाते वक्त रास्ते में मौत: स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें हिलसा अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया. वहां ले जाने के क्रम में रास्ते में ही मौत हो गई.

बिहार की 26 नदियों में पानी मापने लायक भी नहीं.. 10 पूरी तरह सूखी, मानसून के बावजूद कम बारिश

पटना, एजेंसी। इस बार बिहार में मानसून धोखा दे रहा है. जुलाई महीने में जो सामान्य बारिश 340.5 मिमी होनी चाहिए थी, वह केवल 203 मिमी ही हुई है. 2020 में सामान्य से 25% अधिक बारिश जुलाई महीने में हुई थी और उसके बाद लगातार ये छठा साल है, जब बिहार में कम बारिश रिकार्ड की गई है. अगस्त महीने में भी वही स्थिति बनी हुई है और और अब तक 38% कम बारिश रिकार्ड की गई है. इसका असर बिहार की नदियों पर भी पड़ रहा है.

बिहार की नदियों का जलस्तर कम: मानसून के समय जिन नदियों में पानी लबालब रहता. इस बार मापने लाइक तक पानी नहीं है. बिहार में जल संसाधन विभाग राज्य की 81 नदियों के पानी की मापी करता है. इसके लिए 117 स्थानों पर रेनगेज की सुविधा है. जो ताजा आंकड़ा है, उसके अनुसार बिहार के 26 नदियों में नापने लायक भी पानी नहीं है. 10 नदियां पूरी तरह से सूख गई हैं और सबसे अधिक आठ नदियां नालंदा की है.

औसत से कम बारिश का नदियों पर असर: एक तरफ नेपाल में भारी बारिश के कारण कई जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है तो बिहार में मानसून की स्थिति बेहतर नहीं होने के कारण कई जिलों में नदियों की स्थिति काफी खराब है. जल संसाधन विभाग के ताजा आंकड़ों को देखें तो 26 नदियों में इतना पानी नहीं है कि उसकी मापी हो सके.

10 नदियां पूरी तरह सूखी: पटना में दरधा और कररूआ, नालंदा में लौकाईन, मोहाने, नोनई, पंचाने, गोइठवा, पैमार, चिरैया और भूतही पूरी तरह सूखी हुई है. रोहतास में अवसाने, औरंगाबाद में बटाने, जमुई में बरनार, नवादा में सकरी और तिलैया, मुंगेर में मुहानी, बांका में चिरगेरूआ, रोहतास में काव, पश्चिम चम्पारण में पंडई, समस्तीपुर में नून, नून बथाने और बालान, सीतामढ़ी में लखनदेई, दरभंगा में तीषभवारा/कमला, जीवछ/कमला, अररिया में नूना में पानी नापने लायक नहीं बचा है. मानसून की बारिश का इंतजार है.

बिहार में अगस्त महीने में अब तक 573.4 मिमी बारिश होनी चाहिये लेकिन 369 मिमी के आस पास बारिश रिकार्ड की गई है. कम बारिश होने के कारण सबसे ज्यादा असर धान रोपणी पर पड़ा है. किसानों को बिजली या डीजल से पटवन करना पड़ रहा है. कम बारिश का असर भूजल पर भी पड़ रहा है. पीएचईडी के आंकड़ों के अनुसार पिछले साल की तुलना में अधिकांश जिलों में दो से तीन फीट पानी नीचे चला गया है और सबसे अधिक असर दक्षिण बिहार के जिलों में दिख रहा है. अरवल में 22.6 फीट की तुलना में इस वर्ष 24.4 फीट भूजल नीचे चला गया है.

औरंगाबाद में यात्रियों से भरी बस पलटी, 20 घायल, हाइवे पर मची चीख पुकार

औरंगाबाद, एजेंसी। बिहार के औरंगाबाद शहर में बुधवार देर रात यात्रियों से भरी बस अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई. हादसा रात करीब एक बजे ओवरब्रिज पार करने के बाद डाल्टनगंज मार्ग पर हुआ. बस वाराणसी से झारखंड के रास्ते पटना जा रही थी. दुर्घटना में करीब 20 यात्रियों के घायल होने की सूचना है.

औरंगाबाद में सड़क हादसा : बस के अचानक पलटते ही यात्रियों में हड़कंप मच गया. बस के अंदर फंसे लोगों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़े. हादसे की जोरदार आवाज से भी स्थानीय लोगों को दुर्घटना की जानकारी हुई. लोगों ने तत्काल राहत और बचाव शुरू कर बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालना शुरू किया.

बस पलटी 20 घायल : घायलों में अधिकतर औरंगाबाद जिले के रहने वाले बताए जा रहे हैं. बस चालक समेत तीन लोगों की हालत गंभीर है. सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद तीन गंभीर घायलों को बेहतर इलाज के लिए जमुहार मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया. इनमें बस चालक भी शामिल बताया जा रहा है.

घायल यात्रियों की हुई पहचान : दुर्घटना में बघोई गांव निवासी महाराणा सिंह, सीमा कुमारी, बबलू कुमार, सत्य कुमार और बेलमती देवी घायल हुए हैं. भैरोपुर निवासी विजय तिवारी, छतरपुर निवासी मुर्तुजा अंसारी, बस चालक बबलू पांडेय और पिंटू पांडेय समेत अन्य यात्री भी चोटिल हुए हैं.

वाराणसी से पटना जा रही थी बस : बताया गया कि बस बुधवार शाम उत्तर प्रदेश के वाराणसी से पटना के लिए रवाना हुई थी. बस झारखंड के रास्ते पटना जा रही थी. देर रात औरंगाबाद ओवरब्रिज पार करने के बाद डाल्टनगंज रोड की तरफ बढ़ते ही बस अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क पर पलट गई.

ट्रक की टक्कर से हादसे की आशंका : दुर्घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों के बीच बस के पलटने की वजह को लेकर चर्चा शुरू हो गई. स्थानीय लोगों के मुताबिक घटनास्थल के पास एक ट्रक खड़ा था. आशंका जताई जा रही है कि ट्रक की टक्कर लगने के बाद बस चालक ने नियंत्रण खो दिया और बस पलट गई.

पुलिस ने ट्रक से टक्कर की पुष्टि नहीं की : हालांकि, पुलिस ने फिलहाल ट्रक से बस की टक्कर होने की पुष्टि नहीं की है. हादसे के बाद मौके पर मौजूद ट्रक का चालक और सहचालक फरार बताए जा रहे हैं. पुलिस उनकी तलाश कर रही है और दुर्घटना की परिस्थितियों की जांच में जुटी है.

स्थानीय लोगों ने दिखाई तत्परता : बस पलटने के बाद यात्रियों के अंदर फंसे होने की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे. स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना देने के साथ राहत-बचाव में मदद की और बस के अंदर फंसे यात्रियों को बाहर निकाला. इसके बाद घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया.

नगर थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ पहुंचे : सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई. नगर थानाध्यक्ष बबन बैठा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे. पुलिसकर्मियों ने स्थानीय लोगों के सहयोग से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला और घायलों को एक-एक कर सदर अस्पताल पहुंचाया.

हादसे के बाद सड़क पर जुटी भीड़ : दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर काफी देर तक लोगों की भीड़ जमा रही. पुलिस ने मौके पर स्थिति को नियंत्रित किया और यातायात सामान्य कराने की कोशिश की. दुर्घटना के कारण सड़क पर कुछ समय के लिए आवागमन प्रभावित रहा.

अस्पताल पहुंचते ही शुरू हुआ इलाज : घायलों के सदर अस्पताल पहुंचते ही स्वास्थ्यकर्मियों ने तत्काल उपचार शुरू किया. दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद सदर अनुमंडल पदाधिकारी गौरव सिंह भी अस्पताल पहुंचे और घायल यात्रियों से मुलाकात कर उनका हाल जाना.

एसडीओ ने ली उपचार व्यवस्था की जानकारी : एसडीओ गौरव सिंह ने अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. आशुतोष कुमार से घायलों की स्थिति और उपचार व्यवस्था की जानकारी ली. उन्होंने चिकित्सकों को घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया.

तीन गंभीर घायलों को जमुहार भेजा गया : चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद तीन गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर इलाज के लिए जमुहार मेडिकल कॉलेज भेजने की सलाह दी. इनमें बस चालक भी शामिल बताया जा रहा है. अन्य घायल यात्रियों का सदर अस्पताल में उपचार किया गया.

पुलिस के लिए बिहार सरकार का नया फरमान! अब इन हथियारों का नहीं कर सकेंगे इस्तेमाल

पटना, एजेंसी। बिहार पुलिस मुख्यालय का नया आदेश को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं. इस फैसले का उद्देश्य भीड़ नियंत्रण के दौरान पुलिस बल द्वारा अत्यधिक घातक हथियारों के इस्तेमाल को रोकना है. अब से पुलिस अधिकारी कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इन हथियारों का उपयोग नहीं करेंगे. इसका मुख्य लक्ष्य सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करना और अनावश्यक बल प्रयोग को पूरी तरह से नियंत्रित करना है.

असॉल्ट हथियारों पर प्रतिबंध : मुख्यालय के सख्त निर्देशानुसार विधि-व्यवस्था ड्यूटी और भीड़ नियंत्रण के दौरान एके-47, इंसास और एसएलआर जैसे अत्यधिक असॉल्ट हथियारों पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है. इन हथियारों का इस्तेमाल अब केवल उग्रवाद, आतंकवाद और बड़े अपराधियों के खिलाफ विशेष छापेमारी में होगा. कोई भी अधिकारी या जवान आम प्रदर्शनों में इन बेहद घातक हथियारों को अपने साथ नहीं ले जा सकेगा.

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश : पटना में

एडीजी पीएचक्यू सुनील कुमार ने बताया कि महानिदेशक ने सभी पुलिस अधीक्षकों को सख्त निर्देश जारी किए हैं. कानून-व्यवस्था के लिए ऑटोमैटिक हथियारों का प्रयोग वर्जित होगा. संगठित अपराध और गंभीर मामलों में ही इनका उपयोग किया जाएगा. बिना अनुमति इन हथियारों का इस्तेमाल करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ विभाग ने पहले ही कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की है. इस संबंध में स्थायी आदेश निर्गत है. फिर से पुलिस महानिदेशक ने सभी पुलिस अधीक्षकों को फिर से निर्देश दिया है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऑटोमैटिक और असॉल्ट हथियारों का इस्तेमाल नहीं होगा. उनका प्रयोग संगठित अपराध, उग्रवाद या अन्य मामलों में छापेमारी के दौरान होगा.

सिवान मामले पर स्पष्टीकरण: सिवान में पच्चीस जुलाई को छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के दौरान हुई घटना पर एडीजी लॉ एंड ऑर्डर केएस अनुपम ने स्थिति स्पष्ट की. उन्होंने कहा कि सिपाही को कोई आदेश नहीं था और उसने अपनी मर्जी से गोली चलाई थी. वह जवान भीड़ को संभालने वाली टीम का हिस्सा भी नहीं था, जिसके बाद उसे तुरंत निलंबित कर

तेजस्वी ने दी थी आंदोलन की चेतावनी: बता दें कि सिवान में छात्रों पर फायरिंग के मुद्दे को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने 19 अगस्त को आरजेडी की ओर से राजभवन मार्च निकालने का ऐलान किया था. तेजस्वी के ऐलान के ठीक बाद बिहार सरकार का यह बड़ा फैसला आया है.

बिहार में तीन बच्चों की डूबने से मौत, नहर में नहाने गए थे तीनों दोस्त

पूर्णिया, एजेंसी। बिहार के पूर्णिया में दर्दनाक हादसा हुआ है. धमदाहा थाना क्षेत्र से गुजरने वाली भवेसा नहर में नहाने गए तीन नाबालिक बच्चों की डूबने से मौत हो गई. सभी बच्चे एक ही गांव के रहने वाले हैं. घटना के बाद गांव में मातम का माहौल है.

दोस्त थे तीनों: मृतक बच्चे ठाढ़ी राजो पंचायत के वार्ड नंबर 9 महादलित टोला के रहने वाले हैं. मृतकों में मिठानी कुमार, राहुल कुमार और हैप्पी कुमार शामिल है. तीनों बच्चे आपस में दोस्त बताए जाते हैं. सभी बच्चों की उम्र 10 से 15 वर्ष बताई जा रही है.

नहर में नहाने गए थे सभी: बच्चों के डूबने की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग नहर के पास पहुंचे. काफी मशक्कत के बाद सभी बच्चों को पानी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी. घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा है. एक ही गांव से तीन दोस्तों की उठेगी.

मौके पर पहुंचे अधिकारी: वहीं, घटना की सूचना मिलते ही धमदाहा एसडीओ अनुपम थानाध्यक्ष रविशंकर कुमार दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे. पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पूर्णिया सदर अस्पताल भेज दिया.

6 दिन बाद बाढ़ पीड़ितों से मिलने पहुंचीं जदयू विधायक कोमल सिंह का भारी विरोध, ग्रामीणों ने घेरी गाड़ी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के गायघाट प्रखंड के कांटा पिरौंछा दक्षिणी पंचायत में बाढ़ प्रभावित लोगों से मिलने पहुंचीं जदयू विधायक कोमल सिंह को ग्रामीणों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा. बाढ़ आने के करीब छह दिन बाद विधायक के गांव पहुंचने पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा. आक्रोशित लोगों ने विधायक की गाड़ी को घेर लिया और प्रशासन से तत्काल राहत एवं बचाव कार्य तेज करने की मांग की.

छह दिन बाद सुध: बाढ़ पीड़ितों ने विधायक से कहा कि बाढ़ आए छह दिन से अधिक हो चुके हैं, लेकिन अब तक न तो विधायक और न ही प्रशासन की ओर से उनकी सुध ली गई.

ग्रामीणों ने सड़क टूटने, राहत सामग्री नहीं मिलने और अधिकांश बाढ़ पीड़ितों को पॉलिथीन तक उपलब्ध नहीं कराने का आरोप लगाया. लोगों ने कहा कि वे बाढ़ की वजह से परेशान हैं, लेकिन उनकी समस्याओं को देखने के लिए जनप्रतिनिधि छह दिन बाद पहुंचे हैं.

बेटी वाले वादे पर सवाल: ग्रामीणों ने विधायक से कहा कि चुनाव के दौरान उन्हें 'गायघाट की बेटी' बताया जाता था, लेकिन बाढ़ जैसी आपदा में वे छह दिन बाद प्रभावित लोगों के बीच पहुंची हैं. लोगों ने विधायक से गांव में भीतर जाकर बाढ़ की वास्तविक स्थिति देखने और पीड़ितों की परेशानी समझने की मांग की.

गाड़ी का घेराव: विधायक जब वापस अपनी गाड़ी में बैठकर निकलने लगीं तो ग्रामीणों का आक्रोश और बढ़ गया. लोगों ने गाड़ी को घेर लिया और

सामुदायिक किचेन शुरू कराने, बाढ़ पीड़ितों को पर्याप्त राहत सामग्री उपलब्ध कराने और जीआर (ग्रेच्युटियस रिलीफ) की राशि दिलाने की मांग की.

प्रशासन का हस्तक्षेप: स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने तुरंत हस्तक्षेप कर ग्रामीणों को हटाया और विधायक को वहां से सुरक्षित बाहर निकाला. विधायक के साथ अंचलाधिकारी (सीओ), प्रखंड प्रमुख श्रवण कुमार सिंह, पंचायत समिति सदस्य रीना देवी, संजागर सहनी समेत अन्य लोग मुख्य रूप से मौजूद थे.

राजनीतिक पृष्ठभूमि: बता दें कि विधायक कोमल सिंह के पिता दिनेश प्रसाद सिंह JDU के MLC हैं, जबकि उनकी माता वीणा देवी वैशाली से लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की सांसद हैं. बाढ़ क्षेत्र में जनप्रतिनिधियों के प्रति लोगों का यह गुस्सा अब सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है.

बेंगलुरु में बिहार के प्रवासी मजदूरों के लिए खुला 'सुविधा केंद्र', एक जगह मिलेगी सरकारी योजनाओं की जानकारी

पटना, एजेंसी। बिहार से रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में जाने वाले प्रवासी श्रमिकों को अब अपने अधिकारों और सरकारी योजनाओं की जानकारी के लिए भटकना नहीं पड़ेगा. बिहार सरकार ने कर्नाटक के बेंगलुरु में प्रवासी श्रमिक सुविधा केंद्र की शुरुआत की है. इसका ऑनलाइन उद्घाटन बुधवार को पटना स्थित नियोजन भवन से श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग के मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने किया. गौरतलब है कि बिहार से बड़ी संख्या में युवा बेंगलुरु में नौकरी के लिए जाते हैं.

प्रवासी मजदूरों के लिए खुला 'सुविधा केंद्र': मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने कहा कि बिहार के लाखों श्रमिक रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में काम कर रहे हैं और राज्य की अर्थव्यवस्था में उनका महत्वपूर्ण योगदान है. ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी है कि उन्हें उनके कार्यस्थल पर ही जरूरी सहायता और सरकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाए. इसी उद्देश्य से बेंगलुरु में यह सुविधा केंद्र शुरू किया गया है.

क्या बोले मंत्री: अरुण शंकर प्रसाद ने कहा कि यह केंद्र बिहार के प्रवासी श्रमिकों के लिए एक नोडल सेंटर के तौर पर काम करेगा. यहां श्रमिकों को कर्नाटक भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में पंजीकरण कराने में सहायता दी जाएगी. पंजीकरण के बाद पात्र श्रमिक बोर्ड की अलग-अलग कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकेंगे.

इसके अलावा श्रमिकों को सरकारी योजनाओं के लिए आवेदन करने, जरूरी दस्तावेज और प्रक्रियाओं की जानकारी हासिल करने में भी मदद मिलेगी. सरकार का उद्देश्य है कि श्रमिकों को योजना का लाभ लेने के लिए अलग-अलग सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें.

अरुण शंकर प्रसाद ने कहा कि बेंगलुरु में काम करने वाले बिहार के श्रमिकों को कार्यस्थल से जुड़ी समस्याओं के समाधान में भी यह केंद्र मदद करेगा. वेतन भुगतान से जुड़ा विवाद हो या काम के दौरान सुरक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी समस्या, श्रमिक यहां अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे.

कर्नाटक कैश वैन लूटकांड: बीदर एसटीएफ को बिहार में लोगों ने बदमाश समझ पीटा, मुठभेड़ के बाद दो गिरफ्तार

वैशाली, एजेंसी। कर्नाटक के बीदर में एसबीआई की कैश वैन पर हमला कर 93 लाख रुपये लूटने और गार्ड की हत्या के मामले में कर्नाटक एसटीएफ ने बिहार के वैशाली जिले के रहने वाले अमन कुमार और उसके दोस्त आलोक कुमार को गिरफ्तार कर लिया है.

कर्नाटक कैश वैन लूटकांड के आरोपी से मुठभेड़ : खबर के मुताबिक इस दौरान पुलिस और पब्लिक के बीच मुठभेड़ भी हुई है. वायरल वीडियो को लेकर कहा जा रहा है कि कर्नाटक पुलिस इसी खुशी में जश्न भी मना रही है. अमन कुमार और आलोक कुमार पर 25 लाख का इनाम रखा गया था.

98 लाख की हुई थी लूट : बिहार के वैशाली में 98 लाख रुपए लूट के आरोपी अमन कुमार को पकड़ने आई कर्नाटक पुलिस की टीम से कुख्यात इनामी आरोपी भिड़ गया. मारपीट करने लगा इसी दौरान वहां जुटे ग्रामीणों ने भी कर्नाटक पुलिस की टीम की पिटाई कर दी. सादे ड्रेस में होने के कारण ग्रामीण समझ नहीं पाए कि

कुख्यात अमन को पकड़ने दूसरे राज्य की पुलिस आई है. बाद में परिचय मिलने पर शांत हुए.

ग्रामीणों ने कर्नाटक पुलिस को बदमाश समझकर पीटा : कुख्यात अपराधी को पकड़ने के लिए कर्नाटक पुलिस उसके गांव में पहुंची थी. सादे लिबास में होने के कारण मारपीट के दौरान ग्रामीणों ने कर्नाटक पुलिस को अपराधी समझ लिया और पिटाई कर दी. उन्हें चारों ओर से घेर लिया.

परिचय पत्र दिखाने पर ग्रामीणों ने छोड़ा : जब कर्नाटक पुलिस के जवानों ने परिचय पत्र दिखाया तो उन्होंने छोड़ा. इसके बाद स्थानीय सराय थाने को सूचना दी गई घायल अवर निरीक्षक अमित कुमार को सराय के थाना अध्यक्ष संजीव कुमार ने हाजीपुर सदर अस्पताल में भर्ती करवाया है. उसे गंभीर चोट आई है.

लंबे समय से कर्नाटक पुलिस कर रही थी रेकी : कर्नाटक पुलिस पिछले एक साल से इस पूरे इलाके में लगातार रेकी कर रही थी. जैसे ही पुलिस को पुख्ता इनपुट मिला की टीम ने छापेमारी कर दी. हालांकि, गिरफ्तारी के दौरान अपराधियों और उनके समर्थकों ने भीड़ के साथ पुलिस टीम पर हमला बोल दिया, जिसमें एक जवान का हाथ टूट गया जबकि दूसरा चोटिल हो गया. लेकिन कर्नाटक पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए दोनों इनामी अपराधियों को धर दबोचा और उन्हें अपने साथ ले गई है.

16 जनवरी को हुई थी बीदर में लूट : 16 जनवरी 2025 को शिवाजी चौक एसबीआई की मेन ब्रांच के एटीएम के पास मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने कैश भरने वाली टीम पर फायरिंग की और मिर्च पाउडर फेंककर कैश ट्रंक लूट लिया. फायरिंग में ट्रस्ट के दो सिक्योरिटी गार्ड, गिरी वेंकटेश और शिवकुमार मारे गए और करीब 83 से 93 लाख कैश लूट लिया गया.

अमन और अंबानी को पुलिस ने दबोचा : पुलिस ने इस मामले के मुख्य आरोपियों की पहचान बिहार के वैशाली जिले के अमन कुमार और आलोक कुमार उर्फ आशुतोष उर्फ अंबानी के तौर पर की है. अब दोनों आरोपियों के पकड़े जाने के बाद, बीदर पुलिस ने एसबीआई बैंक के सामने क्राइम सीन पर पूरे वार्ड को रीक्रिएट किया और जश्न भी मनाया.

हैदराबाद के अफजलगंज में हुआ था शूटआउट : वहीं आरोपी जब लूटकर 98 लाख कैश के भाग रहे थे तब अगले दिन यानी 17 जनवरी को 2025 को उन्होंने तेलंगाना के हैदराबाद में अफजलगंज में प्राइवेट ट्रैवल्स मैनेजर पर गोली चला दी. मैनेजर ने उन्हें ट्रांजिट वैन से उतरने के लिए कहा था. उस वक्त पुलिस को शक था कि इसमें बिहार के एक गिरोह का हाथ है जो कई राज्यों में सक्रिय है.

बिहार में बिजली गिरने से 14 की मौत, बांका में 5 की मौत.. नवादा में 3 की गई जान

पटना, एजेंसी। बिहार में मौसम के बिगड़े मिजाज के बीच वज्रपात ने कहर बरपाया है. बांका, लखीसराय, नवादा, जमुई, गया और पटना में आकाशीय बिजली गिरने से कुल 14 लोगों की मौत हो गई. हादसों के बाद प्रभावित इलाकों में शोक का माहौल है.

बांका में 5 की मौत: बिहार के बांका में 5 लोगों की मौत हुई है. मरने वालों में 4 महिलाएं थी. जिले के चांदन थाना में बोंड़ा गांव निवासी शंभू यादव की 45 वर्षीय पत्नी कुसमी देवी, टीपन यादव की 35 वर्षीय पत्नी रिंकू देवी और राजेंद्र यादव की 38 वर्षीय पत्नी रेणु देवी की मौत हो गयी. बौंसी प्रखंड में सिराय गांव के वार्ड नंबर-7 निवासी सुरेश यादव और काजीकैरी गांव में सुफियाना खातून की मौत हो गयी.

लखीसराय में वज्रपात से 3 की मौत: लखीसराय में वज्रपात की चपेट में आने से तीन महिलाओं की मौत हो गयी. जिले के बन्नू बगीचा गांव में धान की रोपनी कर लौट रही श्री यादव की 45 वर्षीय पत्नी रुद्र देवी और सुल्तान यादव उर्फ सुरेश यादव की 17 वर्षीय पुत्री कोमल कुमारी की मौत हो गई. संग्रामपुर पंचायत के शिवडीह गांव में आंगनबाड़ी सहायिका अनुसूइया देवी मौत हो गई. नवादा में 3 लोगों की मौत: बिहार के नवाद में भी वज्रपात की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गयी. रजौली थाना क्षेत्र के दरियापुर गांव में मणि मांझी (60), इंद्रजीत मांझी (18), राजेंद्र मांझी (20) की मौत हो गयी.

संक्षिप्त समाचार

हर घर तिरंगा अभियान के तहत आयोजन में दिया राष्ट्रीय एकता का संदेश

लखनऊ , एजेंसी। हर घर तिरंगा अभियान के तहत बुधवार को शहरभर में तिरंगा यात्राएं निकाली गईं। भाजपा लखनऊ महानगर के 12 मंडलों और वार्डों में पार्षदों, मंडल पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने इनका नेतृत्व किया। इन आयोजनों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया गया। पश्चिम-2 मंडल की यात्रा बालागंज चौराहे से शहीद स्मारक जॉगर्स पार्क तक निकाली गई। पश्चिम-3 मंडल की यात्रा मोहन भोग चौराहे से राजीव चौक तक पहुंची। उत्तर-1 में विधायक नीरज बोरा और उत्तर-3 में वरिष्ठ नेता रमेश तूफानी व महामंत्री घनश्याम दास अग्रवाल की उपस्थिति में यात्राएं हुईं।

पूर्व-1 में अवध क्षेत्रीय पदाधिकारी श्वेता सिंह, पूर्व-2 में वरिष्ठ नेता राकेश सिंह और पूर्व-4 में विधान परिषद सदस्य लालजी प्रसाद निर्मल मौजूद रहे। महिला आयोग उपाध्यक्ष अर्पणा यादव ने मध्य-1 की यात्रा का नेतृत्व किया। मध्य-2 में राकेश श्रीवास्तव और मध्य-4 में रजनीश गुप्ता के नेतृत्व में आयोजन हुआ। दक्षिण-1 में विधायक राजेश्वर सिंह और दक्षिण-3 में वरिष्ठ भाजपा नेता रमाशंकर त्रिपाठी की देखरेख में भी तिरंगा यात्राएं हुईं। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे लगाए। प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह ने कहा कि यह अभियान देश के प्रति सम्मान और राष्ट्रभक्ति की सामूहिक अभिव्यक्ति है। उन्होंने सभी से देश की एकता, अखंडता और विकास के लिए योगदान देने का संकल्प लेने का आह्वान किया। भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने कहा कि अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में पार्षदों की भूमिका महत्वपूर्ण है। पार्षद अपने वार्डों में नागरिकों को तिरंगा लगाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। महानगर मीडिया प्रभारी अनुराग साहू ने यात्राओं की जानकारी दी।

छात्र आंदोलन को विश्वविद्यालयों तक ले जाने का लिया संकल्प

लखनऊ, एजेंसी। भारत में संगठित छात्र आंदोलन के 90 वर्ष पूरे होने पर बुधवार को यूपी प्रेस क्लब में एसएफआई लखनऊ की ओर से शिक्षा समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने हाल ही में जंतर-मंतर पर हुए छात्र आंदोलन को बड़ी सफलता बताया। जनवादी लेखक संघ के महासचिव प्रो. नलिन रंजन सिंह ने कहा कि शिक्षा चरित्र और मस्तिष्क के प्रशिक्षण का जरिया है। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर का आंदोलन आगे के संघर्ष की शुरुआत है। छात्र आंदोलन को देश के हर विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थान तक मजबूत करने की जरूरत है। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसएफआई राज्य कमेटी की उपाध्यक्ष कॉमरेड ज्योति ने की। मुख्य वक्ता एसएफआई छात्रनेता सृजन भट्टाचार्य ने महंगाई, एथेनॉल युक्त पेट्रोल, बेरोजगारी आदि मुद्दों को उठाया। एसएफआई राज्य कमेटी अध्यक्ष कॉमरेड पार्थ सारथी द्विवेदी भी मौजूद रहे। संचालन एसएफआई लखनऊ जिला संयोजक कॉमरेड अंकित गुप्ता ने किया। आरक्षण, फीस वृद्धि, शिक्षा के निजीकरण और छात्रवृत्ति में देरी समेत छात्रों की बुनियादी मांगों को लेकर अभियान चलाने पर चर्चा हुई।

तिरंगे भेंटकर अफसरों तक पहुंचाया देशभक्ति का संदेश

गोरखपुर , एजेंसी। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत लिटरेरी सोसायटी ने बुधवार को पुलिस उपमहानिरीक्षक, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक तिरंगा भेंट कर राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया गया। वरिष्ठ समाजसेवी एवं साहित्य प्रेमी हसन जमाल ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तिरंगे के प्रति सम्मान और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना इस पहल का उद्देश्य है। कार्यक्रम में युवा समाजसेवी व शायर ई. मिन्नत गोरखपुरी, ई. जीएम. अंसारी, गौतम गोरखपुरी, डॉ. आर चौधरी, सैय्यद वकार, व्यापारी संजय सिंघानिया आदि मौजूद रहे।

मानसून पर लगा ब्रेक, कानपुर समेत 15 जिलों में थमी बारिश, बढ़ी उमस से परेशानी

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में टाइफून डॉल्फिन कमजोर पड़ गया है लेकिन कानपुर परिक्षेत्र समेत 15 जिलों की नमी पी गया। माहौल में नमी कम होने से पूरे प्रदेश में मानसून की सक्रियता घट गई। इससे बारिश थमी है और उमस भरी गर्मी बढ़ गई है। मौसम विभाग का कहना है कि जैसे ही टाइफून खत्म होगा, बंगाल की खाड़ी में 16 अगस्त से दोबारा कम दबाव का क्षेत्र बनने लगेगा और सामान्य बारिश का दौर शुरू हो सकेगा।

पानी की लाइन तोड़ने पर मेट्रो पर 15 लाख का जुर्माना

मरम्मत भी करानी होगी; जलकल विभाग ने दिया नोटिस

आगरा , एजेंसी। आगरा के रामबाग चौराहे पर मेट्रो के पिलर निर्माण कार्य के दौरान पानी की 800 एमएम व्यास की मुख्य पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने पर जलकल विभाग ने मेट्रो पर 15 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यूपी मेट्रो रेल कार्पोरेशन को ही मरम्मत का पूरा खर्च उठाना है। 15 लाख रुपये का जुर्माना पानी की बर्बादी के कारण लगाया गया है। रविवार को यूपीएमआरसी ने रामबाग चौराहे पर यमुनापार पेयजल आपूर्ति की मुख्य पाइपलाइन तोड़ दी थी। इससे तीन दिन तक यमुनापार इलाके में पानी का संकट बना रहा। करीब पांच लाख लोग इससे परेशान हुए। इस मामले में ट्रांसयमुना के पार्षद और भाजपा पार्षद दल के उपनेता प्रकाश केसवानी ने लाखों लोगों की समस्या उठाते हुए जलकल विभाग से मेट्रो पर जुर्माना लगाने के लिए कहा था।

जलकल विभाग के अधिशासी अभियंता प्रेमचंद्र आर्य ने लाखों लीटर पानी बर्बाद होने पर जलकर के रूप में 15 लाख रुपये का जुर्माना मेट्रो कॉर्पोरेशन पर लगाया है। जलकल विभाग को यमुनापार पानी की आपूर्ति के लिए हर दिन 55 से 62 टैंकर भेजने पड़े थे। यह खर्च भी जलकल विभाग को उठाना पड़ा।

जलकल महाप्रबंधक कुमार गौरव ने बताया कि मेट्रो कॉर्पोरेशन पर 15 लाख रुपये का जुर्माना लगाकर इसे जल्द जमा कराने को कहा गया है। नोटिस जारी कर यह स्पष्ट चेतावनी भी दी गई है कि भविष्य में किसी भी निर्माण कार्य के दौरान ऐसी लापरवाही की पुनरावृत्ति न हो। मेट्रो को ही मरम्मत का पूरा खर्च उठाना होगा।

जवाहरपुल पर बदली 750 मिमी व्यास की लाइन

जवाहरपुल पर कई माह से लीक हो रही पानी की मुख्य पाइपलाइन को जलकल विभाग ने बदलवाया है। इस लाइन के जरिए रामबाग समेत यमुनापार के इलाकों में पेयजल आपूर्ति होती है।

यमुना किनारे वाटरवर्क्स की ओर यह लाइन लीक होने से लाखों लीटर पानी हर दिन बर्बाद हो रहा था।

मोती कटरा, दिल्ली गेट, महावीर नगर में नहीं मिला पानी

रामबाग पर पानी की लाइन की मरम्मत मंगलवार रात करने का दावा किया गया, लेकिन बुधवार को यमुनापार के कुछ इलाकों में पानी नहीं पहुंच पाया। महावीर नगर, शाहदरा, जैन गली, ट्रांसयमुना कॉलोनी के कुछ हिस्सों तक पानी नहीं मिला। महावीर नगर निवासी महेश राठौर ने बताया कि चार दिन से पानी का संकट बना हुआ है।

शहर में 60 करोड़ के विकास कार्यों पर लगी मुहर

अलीगढ़ , एजेंसी। शहर के विकास को गति देने के लिए नगर निगम स्तर से 15वें वित्त आयोग और नगरीय अवस्थापना विकास निधि के तहत उपलब्ध धनराशि से करोड़ों रुपये के विकास कार्य कराए जाएंगे। नगर निगम ने विभिन्न मदों में करीब 60 करोड़ रुपये के विकास कार्यों को मंजूरी दी है।

बुधवार को कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर में महापौर प्रशांत सिंघल की अध्यक्षता और नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा की मौजूदगी में हुई समिति की बैठक में जल निकासी, पथ प्रकाश, सड़क, पार्क, स्कूल, बारातघर और अन्य जनसुविधाओं से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई।

महापौर प्रशांत सिंघल ने कहा कि उपलब्ध वित्तीय संसाधनों का अधिकतम सदुपयोग करते हुए जल निकासी, पथ प्रकाश, सड़क और सार्वजनिक सुविधाओं को मजबूत किया जाएगा। जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान और आधुनिक नागरिक सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दी जाएगी।

नगर आयुक्त प्रेमप्रकाश मीणा ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप स्वीकृत धनराशि से शहर के विकास और नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं को प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि सभी स्वीकृत कार्यों को गुणवत्ता, पारदर्शिता और निर्धारित समयसीमा के साथ पूरा कराया जाएगा। बैठक में अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव, सिटी मजिस्ट्रेट डॉ. अतुल गुप्ता, मुख्य अभियंता वीके सिंह, पीडब्ल्यूडी के अजय कुमार सक्सेना आदि थे।

प्राइमरी स्कूलों का होगा कायाकल्प

महापौर की अध्यक्षता वाली समिति ने शहर के सभी प्राइमरी स्कूलों को बेहतर और आधुनिक सुविधाओं से लैस करने के लिए बजट स्वीकृत किया है। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप स्कूलों में निर्माण एवं आधारभूत सुविधाओं के विकास पर करीब चार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

मलिन बस्तियों में होंगे रोशनी के इंतजाम: शहर की मलिन बस्तियों और विभिन्न क्षेत्रों में पथ प्रकाश व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए स्ट्रीट लाइट पोल, एलईडी लाइट, डेकोरेटिव पोल और मिनीमास्ट लगाए जाएंगे। सूत मिल चौराहे से जीटी रोड तक केबल, पाइप और लाइट लगाने के लिए 118.92 लाख रुपये तथा इसी मार्ग पर 200 डेकोरेटिव पोल और लाइट लगाने के लिए 259.60 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।

नगर निगम सीमा में पथ प्रकाश व्यवस्था के विभिन्न कार्यों के लिए 800 लाख रुपये और एलईडी लाइटों के अनुरक्षण के लिए 250 लाख रुपये का प्रावधान है।

जलभराव से राहत के लिए ड्रेनेज पर जोर: शहर में जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 579.62 लाख रुपये के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इनमें एसटीपी से मडराक रजबहा तक 1811 मीटर लंबी 900 एमएम व्यास की ह्यूम पाइप लाइन, केवल विहार और नगला कलार ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन की क्षमता वृद्धि, सराय रहमान ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन पर अतिरिक्त मोटर पंप की स्थापना तथा पांच ट्रॉली माउंटेड 28 एचपी डीजल डी-वाटरिंग सेट की आपूर्ति जैसे कार्य शामिल हैं। इसके अलावा भुजपुरा क्षेत्र में ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन के निर्माण के लिए 3.55 करोड़ रुपये और नगला महताब ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन की क्षमता वृद्धि एवं जीर्णोद्धार के लिए 2.95 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

पति को बीच सड़क पर दौड़ाया

कार भी कर दी पंचर; ताकि वो भाग न सके; घरवाली का ऐसा रूप देख लोग रह गए सन्न

आगरा, एजेंसी। आगरा दीवानी में तारीख पर आए पति-पत्नी में बुधवार को विवाद हो गया। पति का आरोप है कि पत्नी ने उन्हें पीटने के लिए दौड़ाया। चेकिंग बूथ में छिपकर उन्होंने जान बचाई। कार के पहिए भी पंचर कर दिए गए। उधर, पत्नी ने भी पति पर अभद्रता का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। थाना न्यू आगरा पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ग्रेटर नोएडा निवासी अंशुल चौधरी ने बताया कि 30 अप्रैल, 2025 को उनकी शादी बोदला निवासी महिला से हुई थी। शादी के बाद सितंबर माह में मामला कोर्ट पहुंच गया। 7 अगस्त को वह तारीख करने दीवानी आए थे। बाहर निकलने पर कार के दो पहिए पंचर मिले। इसी बीच पत्नी अपने पिता, एक अधिवक्ता की ड्रेस में खड़े व्यक्ति और कई अन्य को लेकर आई।

अंशुल का आरोप है कि पत्नी ने उन पर हमला करने की कोशिश की। गाली गलौज कर मारने को दौड़ी। वह जान बचाकर भागे। एसएसएफ के चेकिंग बूथ में घुसकर खुद को बचाया। पूरी घटना के वीडियो लोगों ने बनाए थे। मामले में एसीपी हरीपर्वत अमीषा ने बताया कि दोनों पक्ष ने शिकायत की है। महिला ने पति पर पिता और उनसे अभद्रता और मारपीट के आरोप लगाकर तहरीर दी है। पुलिस परिसर के सीसीटीवी की रिकार्डिंग देख रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे। उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

गिल्टज टीम ए ने शालीमार फाइटर्स टू को 21 रन से हराया

गाजियाबाद , एजेंसी। राजनगर एक्सटेंशन स्थित गिरिराज क्रिकेट ग्राउंड पर खेली जा रही गिरिराज प्रीमियर लीग में गिल्टज टीम ए ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शालीमार फाइटर्स टू को 21 रन से हरा दिया। गिल्टज टीम ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 226 रन बनाए। जवाब में शालीमार फाइटर्स टू की टीम निर्धारित ओवर में सात विकेट पर 201 रन ही बना सकी।

टॉस जीतकर गिल्टज टीम ए ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टीम की ओर से सोनू सिंह ने महज 15 गेंद में पांच चौकों और चार छक्कों की मदद से 46 रन की पारी खेली। तुषार चौधरी ने 19 गेंदों की मदद से 40 रन बनाए। मानस ने 41 रन का योगदान दिया। शालीमार फाइटर्स टू की ओर से विशेष वर्मा, अमल चौधरी, डॉ. निहित जैन, पुनीत कुमार, अग्निव और जॉय जॉर्ज ने एक-एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी शालीमार फाइटर्स टू की शुरुआत के बाद मध्यक्रम ने टीम को मुकाबले में बनाए रखा। सुमित सेठ ने 31 गेंदों में 69 रन बनाए। विनीत श्रीवास्तव ने 39 गेंदों में 63 रन की पारी खेली। अनिल शर्मा ने 33 रन का योगदान दिया, लेकिन टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी। गिल्टज टीम ए की ओर से नागेंद्र चौधरी ने तीन, आर्यन त्यागी ने दो व हरेंद्र शर्मा और सोनू सिंह ने एक-एक विकेट लिया।

जान जोखिम में डालकर पढ़ने को मजबूर मासूम

प्राइमरी स्कूल में बच्चों के साथ बैठते व भोजन खाते आवारा कुत्ते

कानपुर, एजेंसी। भीतरगांव ब्लॉक के ग्राम ढूहरपुर प्राथमिक विद्यालय में दर्जनों आवारा कुत्तों का आतंक परिसर से लेकर कक्षा के अंदर तक फैला हुआ है। आवारा कुत्तों की धमाचौकड़ी के कारण मासूम बच्चे रोजाना अपनी जान जोखिम में डालकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। स्कूल की प्रधानाध्यापक और शिक्षिकाओं की अनदेखी से नाराज दो दर्जन से अधिक अभिभावकों ने खंड शिक्षा अधिकारी को लिखित शिकायत सौंपकर परिसर को सुरक्षित करने की मांग की है। लेकिन बीईओ अभी तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की है।

पूर्व प्रधान रामदुलारी, भोला, अनीता, सुषमा, मोनिका, सुदामा, रन्नो व राजीव सहित दो दर्जन अभिभावकों का आरोप है कि मध्याह्न भोजन के दौरान आवारा कुत्ते बच्चों की थालियों तक पर झपट्टा मारते हैं। इससे न केवल भोजन दूषित हो रहा है, बल्कि बच्चों पर हमले का गंभीर खतरा मंडराता रहता है। क्लासरूम के भीतर बच्चे जिस दरी और फट्टे पर बैठकर पढ़ाई करते हैं, वहीं कुत्ते भी निर्भीक होकर सोते रहते हैं। अभिभावकों ने बीईओ को स्कूल के अंदर घूमते और सोते हुए कुत्तों के फोटो व वीडियो साक्ष्य के तौर पर भी दिखाए हैं।

गौरतलब है कि भीतरगांव क्षेत्र में बीते एक महीने में आवारा कुत्तों के काटने से करीब 100 लोग घायल हो चुके हैं। इसके बावजूद विद्यालय प्रशासन और संबंधित अधिकारी इस बेहद संवेदनशील मामले की अनदेखी कर रहे हैं। अभिभावकों ने खंड शिक्षा अधिकारी पूनम वर्मा को शिकायत पत्र देकर परिसर को तुरंत कुत्तों से मुक्त कराने और सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है।

लव जिहाद:

नाम कर छात्रा की दोस्ती, जबरन धर्म परिवर्तन करवाने का प्रयास

गाजियाबाद, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जनपद गाजियाबाद के थाना इंदिरापुरम क्षेत्र की एक कॉलोनी मे रहने वाली 12वीं कक्षा की छात्रा से नाम बदलकर दुसरे समुदाय के युवक ने पहले दोस्ती की और फिर नशा कराकर जबरन उसका धर्म परिवर्तन कराने का प्रयास किया। किशोरी की मां को घटना की जानकारी हुई। उसके बाद उसने हिंदू संगठन के लोगों को घटना की जानकारी दी। हिंदू संगठन के लोग बीती रात को इंदिरापुरम थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। किशोरी की मां ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी बेटी 12वीं कक्षा में पढ़ती है। स्कूल आते जाते समय आदित्य सैनी उर्फ सोनू नाम के युवक ने उनकी बेटी से दोस्ती की। धीर-धीरे उनकी बेटी को वह बर्गर आदि में सूखा नशा खिलाने लगा। स्कूल से आते ही उनकी बेटी सो जाती तो उन्हें शक हुआ। उन्होंने जानकारी की तो पता चला कि आदित्य स्कूल आते-जाते उनकी बेटी का पीछा कर उसके साथ अश्लील हरकत करता था। उन्होंने आदित्य के बारे में जानकारी की तो पता चला कि उसका असली नाम आतिश खान है।

खुद को आरएएफ में तैनात बता रखा ये प्रस्ताव, फिर खेला साइबर ठगी का गंदा खेल

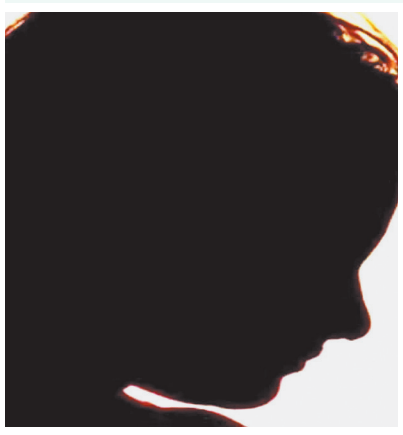

कानपुर, एजेंसी। साइबर ठग ने मैट्रिमोनियल पोर्टल पर शिकार फंसाने के लिए दाना डालना शुरू कर दिया है। सिविल सर्विसेज की तैयारी कर रही कल्याणपुर निवासी युवती एक ऐसे ही जाल में फंस गई। ठग ने खुद को दिल्ली आरएएफ में तैनात बताकर पहले शादी का प्रस्ताव रखा। इसके बाद अपने निजी कार्य के लिए युवती के तीन अलग-अलग बैंकों में तीन खाते खुलवाकर उनका डेबिट कार्ड और पासवर्ड ले लिया। खातों में साइबर ठगी की रकम मंगाई गई। युवती को बैंकों से नोटिस मिला तब शक होने पर पीड़िता ने पुलिस से शिकायत की। हालांकि, ठग ने पकड़े जाने से पहले ही अपना मोबाइल फोन बंद कर लिया। पुलिस रिपोर्ट दर्जकर शातिर की तलाश में जुटी है।

युवती ने पुलिस को बताया कि उसके पिता किसान हैं। उसने अपने रिश्ते के लिए एक मैट्रिमोनियल पोर्टल पर अपनी प्रोफाइल बनाई। फरवरी में दिल्ली के सूरज उर्फ रणवीर सिंह ने खुद को आरएएफ कर्मी बताकर दोस्ती की। रक्षा बंधन के बाद वरीक्षा फिर गोदभराई की बात तय हो गई थी। अप्रैल में सूरज उससे मिलने भी आया। इसके कुछ दिन बाद सूरज ने युवती से अपनी नौकरी में लगाने के लिए युवती का आधार, पैन कार्ड मांगा। युवती ने उसे सारे जरूरी कागजात दे दिए। जून में सूरज ने युवती से कहा कि वह एडवरटाइजिंग एजेंसी भी चलाता है जिसमें आर्थिक मदद के बहाने युवती से 40 हजार रुपये ले लिए। इसके बाद सूरज ने युवती से कल्याणपुर की कोटक महिंद्रा, पंजाब नेशनल बैंक व बैंक ऑफ महाराष्ट्र में तीन खाते खुलवाए। युवती को झांसा दिया कि वह सरकारी नौकरी कर रहा है। बिजनेस के लिए खाते नहीं खोल सकता। इसके बाद इन खातों में डेढ़ से दो लाख रुपये तक का अवैध लेनदेन किया गया। जुलाई में साइबर पुलिस ने जब युवती को नोटिस दिया तब गड़बड़ी की आशंका होने पर युवती ने पुलिस की मदद ली। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि आरोपी ने लखनऊ स्थित एटीएम बूथ से रुपये निकाले हैं।

रुपये लेने आया मनीष भी लापता

युवती ने पुलिस को बताया कि सूरज का एक दोस्त मनीष रुपये लेने के लिए उसके पास दो बार आया था लेकिन अब उसका भी कुछ अता-पता नहीं है। युवती के मुताबिक जब कभी सूरज से वीडियो कॉल पर बात होती थी तो वह खुद को कंप्यूटर पर ही व्यस्त दिखाकर ज्यादा बात नहीं करता था। उसने अपने परिजन से भी सिर्फ वीडियो कॉल से बात कराई थी। खुद को मूलरूप से सिकंदरा का बताया था।

पुलिस की मदद मिलने के बाद युवती के व्यवहार में परिवर्तन आया और सूरज से उसकी बातचीत भी बदल गई। इससे सूरज भांप गया कि अब युवती को किसी का सपोर्ट मिल गया है। ऐसे में उसने एक दिन युवती से मिलकर उसके मोबाइल से खुद से जुड़ी सारी जानकारी और तस्वीरें भी डिलीट कर दीं। तबसे अपना मोबाइल नंबर भी बंद कर गायब हो गया।

ये बरतें सावधानी

पैसे न भेजें- यदि कोई व्यक्ति ऑनलाइन मिलने के बाद बीमारी, यात्रा या किसी इमरजेंसी के नाम पर पैसे मांगे तो समझ जाएं कि वह ठग है।

सच्चाई की जांच करें- सामने वाले के दावे (नौकरी, परिवार और पता) की अच्छे से पुष्टि करें। संभव हो तो उनके परिवार के सदस्यों से सीधे बात करें।

वीडियो कॉल पर बात करें- सिर्फ चैट या सामान्य कॉल तक सीमित न रहें। वीडियो कॉल करके पुष्टि करें कि प्रोफाइल वाला व्यक्ति वही है या नहीं।

संक्षिप्त समाचार

स्वतंत्रता दिवस से पहले पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा चाक-चौबंद

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था को चाक

चौबंद बनाने की कवायद तेज कर दी गई है। इसी कड़ी में 11 अगस्त को दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन थाने का दौरा कर सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया और पुलिसकर्मियों को ग्राउंड रिस्पांस के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए। डीसीपी बी भारत रेड्डी का कहना है कि सुरक्षा तैयारियों का निरीक्षण करने पहुंचे विशेष पुलिस आयुक्त विजय कुमार, संयुक्त पुलिस आयुक्त (ट्रांसपोर्ट रेंज) मिलिंद डुमबरे और पुलिस उपायुक्त (रेलवे) बी. भारत रेड्डी ने थाना क्षेत्र के महत्वपूर्ण व संवेदनशील स्थलों का कई घंटे तक मुआयना किया। अधिकारियों ने विशेष रूप से छाता रेल, पार्सल एरिया, इमारतों की छतों (रूफटाप्स) तथा मुख्य ड्यूटी प्वाइंटस पर तैनात पुलिस बल की स्थिति को परखा। इस दौरान सीसीटीवी सर्विलांस, एक्सेस कंट्रोल और किसी भी कानून-व्यवस्था या सुरक्षा संबंधी आपात स्थिति से निपटने की परिचालन तत्परता की समीक्षा की गई। यह सब इसलिए किया जा रहा है क्योंकि रेलवे स्टेशन के पास में लाल किला है। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने थाने के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर कई दिशा-निर्देश दिए। जवानों को कहा गया कि भीड़भाड़ वाले और संवेदनशील इलाकों में पैनी नजर रखी जाए तथा सघन चेकिंग अभियान चलाया जाए। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या लावारिस वस्तु की सूचना पर तत्काल और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। 15 अगस्त तक रेलवे सुरक्षा बल और अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ निरंतर तालमेल बनाकर संयुक्त जांच अभियान चलाया जाए। रेल संपत्ति की सुरक्षा के साथ-साथ आम यात्रियों की सुरक्षित और सुगम आवाजाही के लिए स्टेशन परिसर में प्रभावी व्यवस्था बनी रहे। इस निरीक्षण और ब्रीफिंग का मुख्य उद्देश्य स्वतंत्रता दिवस के दौरान पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा घेरे को पुख्ता बनाना है।

2047 का मास्टर प्लान पुराने आंकड़ों पर क्यों, नई जनगणना के बीच उठे दिल्ली के भविष्य पर बड़े सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली मास्टर प्लान 2047 को लेकर विशेषज्ञों ने इसकी कानूनी और व्यावहारिक प्रक्रियाओं पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के पूर्व योजना आयुक्त अशोक कुमार जैन के अनुसार, 2041 का मास्टर प्लान 2011 की जनगणना के आधार पर तैयार किया गया था, जबकि 2026 में नई जनगणना की प्रक्रिया जारी है। ऐसे में 2047 के मास्टर प्लान के लिए नए डेटा को ही आधार बनाया जाना चाहिए। इसके साथ ही, ड्राफ्ट पर जनता से आपत्तियां और सुझाव लिए बिना इसे सीधे डीडीए बोर्ड बैठक से पास कराकर केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय को भेजना नियम अनुसार गलत है, जिससे यह योजना भविष्य में कानूनी अड़चनों में फंस सकती है। वहीं, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ अर्बन अफेयर्स (एनआइयूए) के पूर्व निदेशक और दिल्ली मास्टर प्लान 2041 का हिस्सा रहे हितेश वैद्य का कहना है कि मास्टर प्लान की सफलता उसकी सोच से ज्यादा उसके जमीनी क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नई जनगणना के बाद आबादी, आवास और बुनियादी ढांचे की नई तस्वीर सामने आएगी। इसलिए मास्टर प्लान को एक जीवंत दस्तावेज होना चाहिए। इसके अलावा, दिल्ली की परिवहन, पर्यावरण और आवास संबंधी चुनौतियां पूरे एनसीआर क्षेत्र से जुड़ी हैं, इसलिए दोनों योजनाओं में बेहतर तालमेल अनिवार्य है। विशेषज्ञों का मानना है कि मास्टर प्लान 2047 की मंजूरी सिर्फ एक शुरुआत है।

दिल्ली में राशन कार्ड रद्द होने से 600 परिवारों पर संकट, सब्सिडी वाले अनाज और सरकारी योजनाओं से हुए वंचित

नई दिल्ली, एजेंसी। देवली विधानसभा के दक्षिणपुरी एक्सटेंशन स्थित डीडीए फ्लैट्स के निवासियों के राशन कार्ड रद होने से इलाके के छह सौ परिवार परेशान हैं। स्थानीय आरडब्ल्यूए के मुताबिक इलाके के डीडीए फ्लैट्स में बड़ी संख्या में आर्थिक रूप से कमजोर और निम्न आय वर्ग के परिवार रहते हैं। पात्र निवासियों के राशन कार्ड रद होने से सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने में परेशानी हो रही है। इस मामले पर मुख्यमंत्री एवं दिल्ली के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री तक को पत्र भेजकर सभी पात्र लोगों के राशनकार्ड दोबारा से बहाल करने की गुहार लगाई गई है। आरडब्ल्यूए के मुताबिक दक्षिणपुरी ब्लाक 20 में छह सौ डीडीए व जनता फ्लैट्स हैं। बुनियादी सुविधाओं एवं सामाजिक आर्थिक स्थिति के मामले में नजदीकी इलाकों की तुलना में यह क्षेत्र पिछड़ा हुआ है। इसके बावजूद इन क्षेत्रों के पात्र निवासियों को अभी भी राशन एवं अन्य सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है, जबकि ब्लाक 20 के परिवार पिछले तीन सालों से राशन कार्ड के बगैर परेशान हैं। राशन कार्ड रद होने से जरूरतमंद लोग सब्सिडी वाले अनाज से वंचित हैं।

14 की उम्र में घर से भागी, 17 में बनी मानव तस्कर

किशोरियों से देह व्यापार कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। नशा तस्करी गिरोह चलाने वाली महिलाओं की गिरफ्तारी के बाद दिल्ली पुलिस ने मानव तस्करी करने वाले गिरोह का भी भंड़ाफोड़ किया है। तीन महीने की जांच और तीन राज्यों की छापेमारी के बाद पुलिस गिरोह के सरगना के तक पहुंचकर हैरान रह गई।

महज 14 वर्ष की उम्र में घर छोड़कर भागी किशोरी ने अगले तीन वर्षों में दिल्ली से लेकर राजस्थान, गुजरात और उत्तर प्रदेश तक में मानव तस्करी का पूरा साम्राज्य खड़ा कर दिया। निम्न आयवर्ग की वो किशोरियां, जो सोशल पर सक्रिय रहतीं, उन्हें दूसरे राज्यों में अच्छी नौकरी, रहने की जगह और बढ़ियां पैसों का झांसा दिया जाता।

घर से भागकर पहुंचने पर सच्चाई पता लगती। लौटने पर परिवार की ओर से अपनाने से इनकार के डर के बीच किशोरियां स्पा सेंटर या देह व्यापार के दलदल में ढकेल दी जातीं। पुलिस ने मामले में गिरोह की सरगना समेत सात लोगों को पकड़ा है। वहीं तीनों राज्यों से कुल 12 किशोरियों का गिरोह के चंगुल से छुड़ाया गया।

दक्षिणी जिला पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल के मुताबिक इसकी शुरुआत नौ मई को अंबेडकर नगर थाने में दर्ज एक 15 वर्ष की नाबालिग के गुमशुदगी से हुई। जांच के दौरान पता चला कि उसे सोशल मीडिया पर अच्छी कमाई वाली नौकरी, आकर्षक वेतन और बेहतर जीवनशैली का लालच देकर फंसाया गया था। वह सोशल मीडिया पर एक किशोरी के संपर्क में थी और दोनों एक साथ घर से

भागने वाली थीं। तकनीकी निगरानी और डिजिटल सबूतों के विश्लेषण से उसके गुजरात के कच्छ जिला स्थित मुंद्रा पोर्ट के पास होने की जानकारी मिली। दिल्ली पुलिस की टीम गुजरात पहुंची और मुंद्रा में टीजीआर होटल में चल रहे स्पा से नाबालिग को बचाया।

वहीं स्पा सेंटर मालिक दमानी सुशील हरेश उर्फ सुशील, रिसेप्शनिस्ट लक्ष्य और दो नाबालिग किशोरियों को पकड़ा। वहां से मिले सबूतों के आधार पर 23 मई को उत्तर प्रदेश के बलिया में रेलवे स्टेशन मेलोडी स्पा सेंटर में छापेमारी कर सात किशोरियों को बचाया और सेंटर संचालक मोनू शर्मा व संजीव मौर्य उर्फ सोनू को गिरफ्तार किया।

इसके बाद दिल्ली के गणेश नगर स्थित एक घर से दो किशोरियों को बरामद करते हुए आरोपित खुशी उर्फ पूजा को गिरफ्तार किया गया। मामले में एक राज्य से दूसरे राज्य तक किशोरियों को ले जाने वाला आरोपित प्रिंस फरार चल रहा है। पुलिस के मुताबिक गिरोह ने राजस्थान में भी कुछ किशोरियों को भेजा था। उनका पता लगाने के साथ ही मामले में आगे की जांच की जा रही है।

गुजरात में पकड़ी गई दोनों किशोरियां दक्षिणी दिल्ली की

गुजरात के मुंद्रा में टीजीआर होटल में चल रहे स्पा से बरामद दोनों आरोपित किशोरियां भी दक्षिणपुरी की रहने वालीं हैं। सोशल मीडिया पर दोनों ने अंबेडकर नगर की रहने वाली 15 वर्षीय किशोरी व उसकी सोशल मीडिया दोस्त से संपर्क किया था। हालांकि दोनों स्वयं भी इसी तरह गिरोह के झांसे में आई थी। किशोर न्याय बोर्ड ने भी दोनों को पीड़ित माना। दोनों को मिलाकर दिल्ली पुलिस ने कुल 12 किशोरियों को गिरोह से बचाया। दमानी सुशील हरेश उर्फ सुशील (कच्छ, गुजरात): मुंद्रा में स्पा का मालिक।

आप नहीं करेंगे तो हम आदेश देंगे, पैकेज्ड फूड पर चेतावनी लेबल को लेकर सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को अल्टीमेटम

नई दिल्ली, एजेंसी। पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर चेतावनी लेबल लगाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और स्नस्स्ढ्ढ को कड़ा अल्टीमेटम दिया है। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को उच्च मात्रा में चीनी, नमक और संतृप्त वसा वाले पैकेटबंद खाद्य उत्पादों पर सामने की तरफ चेतावनी लेबल लगाने के लिए अल्टीमेटम जारी किया।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने चेतावनी देते हुए कहा, ÷अगर आप नहीं कर सकते, तो

हम आदेश पारित करेंगे।

जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने खाद्य निकाय के इस तर्क की ओर ध्यान दिलाया कि उद्योग लेबलिंग के विचार का विरोध कर रहा था। याचिकाकर्ता ने खाद्य पैकेटों पर चेतावनी लेबल लगाने के उद्योग के विरोध का हवाला देते हुए, एफएसएसएआई ने अतिरिक्त चीनी, संतृप्त वसा और नमक की अनुशंसित दैनिक आवश्यकता की सारणीबद्ध घोषणा का सुझाव दिया है। जिसके बाद न्यायमूर्ति जेबी परदीवाला और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने एफएसएसएआई को फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और खाद्य नियामक की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जताते हुए सवाल उठाया कि क्या ये प्राधिकरण कॉरपोरेट जगत के दबाव के आगे झुक रहे हैं? कोर्ट ने साफ किया कि यह मामला देश के नागरिकों और विशेषकर बच्चों की सेहत से जुड़ा है, इसलिए इस पर फैसला उद्योगों के विरोध से नहीं बल्कि जनहित से संचालित होना चाहिए।

यदि आप ऐसा नहीं कर सकते, तो हम करेंगे...: इस दौरान एएसजी बृजेंद्र चाहर ने अदालत से सरकार की प्रस्तावित कार्ययोजना को स्पष्ट करने की अनुमति देने का अनुरोध किया, लेकिन अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा कि सरकार को ठीक वही करना होगा जो अदालत ने निर्देश दिया है। कोर्ट ने फिर अपने आदेश को दोहराते हुए कहा, यदि आप ऐसा नहीं कर सकते, तो हम आदेश पारित करेंगे। एएसजी ने तर्क दिया कि विकसित देशों में खाद्य पदार्थों में आमतौर पर नमक, चीनी और वसा का स्तर कम होता है, इसलिए उन्हीं मानकों को सीधे पारंपरिक भारतीय खाद्य पदार्थों पर लागू करना अनुचित होगा।

क्या भारत को एक अविकसित देश बने रहना चाहिए?: इस पर कोर्ट ने केंद्र सरकार के इस तर्क को खारिज करते हुए पूछा, फ्क्या भारत को एक अविकसित देश बने रहना चाहिए? क्या भारत के लिए विकसित देशों द्वारा अपनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय पैकेजिंग मानकों का पालन करना मुश्किल है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि चेतावनी लेबल का उद्देश्य किसी उत्पाद की बिक्री को रोकना नहीं है, बल्कि उपभोक्ता को यह सूचित करना है कि वे क्या उपभोग कर रहे हैं। हालांकि, निर्माताओं को यह प्रणाली नापसंद हो सकती है क्योंकि यह उनके व्यवसाय को प्रभावित कर सकती है।

मंडोली जेल रोड पर गड्ढे के कारण ई-रिक्शा पलटा, छह लोग घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। मंडोली जेल रोड बदहाल स्थिति में है। निगम की इस सड़क पर जगह-जगह गड्ढे हैं। इन गड्ढों की वजह से एक ई रिक्शा पलट गया। हादसे में छह लोग मामूली रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने रिक्शे में सवार लोगों को बचाया। आरोप है विधायक व निगम से शिकायत के बाद भी सड़क की स्थिति सुधारी नहीं जाती है।

जेल रोड इन दिनों बदहाल स्थिति में है। सड़क पर जगह-जगह बने गड्ढे वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बने हुए हैं। गड्ढों के कारण एक ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ई-रिक्शा सवार छह लोगों को मामूली चोटें आईं। आसपास मौजूद लोगों ने घायलों को बाहर निकाला और प्राथमिक उपचार कराया।

अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों की अनदेखी: स्थानीय लोगों का कहना है कि जेल रोड पर लंबे समय से सड़क की स्थिति खराब है। कई जगह सड़क टूटने के साथ गहरे गड्ढे बन गए हैं। रात के समय इन गड्ढों में वाहन फंसने और दोपहिया वाहन चालकों के गिरने का खतरा बना रहता है। ल सड़क से रोजाना बड़ी संख्या में वाहन गुजरते हैं, लेकिन इसके बावजूद मरम्मत की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। स्थानीय निवासी बताते हैं कि सड़क की बदहाली को लेकर कई बार क्षेत्रीय विधायक चौधरी सुरेंद्र से शिकायत की जा चुकी है। लोगों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद अब तक सड़क की स्थिति सुधारने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। लोगों ने संबंधित विभाग से जल्द सड़क की मरम्मत कराने और गड्ढों को भरने की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते सड़क दुरुस्त नहीं की गई तो आने वाले दिनों में बड़ा हादसा हो सकता है।

पाकिस्तान फिर बेनकाब, पूर्व मंत्री ने खुद को बताया हाफिज सईद का गुलाम; भारत को दी धमकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में सत्ता और आतंकवाद का गठजोड़ कितना गहरा है, ये एक बार फिर बेनकाब हो गया है। दरअसल पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान के करीबी रहे और उनकी सरकार के मंत्री रहे शेख रशीद ने अब खुद को खूंखार आतंकी हाफिज सईद का नौकर बता दिया है।

शेख रशीद न सिर्फ इस्लामाबाद में लश्कर ए तैयबा के कार्यक्रम में शामिल हुआ, बल्कि उसने खुद को हाफिज सईद का समर्थक भी बताया। इस दौरान मंच पर लश्कर के कई खूंखार आतंकी भी मौजूद रहे, जिनमें लश्कर का वरिष्ठ कमांडर शेख याकूब और संधू शामिल रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शेख रशीद ने कहा, मैं हाफिज सईद साहब का गुलाम हूं। रशीद ने ये भी बताया कि एक बार उसके फोन में हाफिज सईद का नंबर मिला था, जिसके चलते उसे अमेरिका से बाहर कर दिया गया था। इसके साथ ही शेख रशीद ने मंच से भारत को धमकियां भी दी। गीदड़ भभकी दिखाते हुए शेख रशीद ने कहा कि अगर भारत ने पाकिस्तान की तरफ देखा तो वहां कोई चिड़िया नहीं चहचहाएगी और न ही मंदिर में घंटियां बजेगी और भारत में ऐसा कोई काम नहीं होगा, जो पाकिस्तान के खिलाफ हो। शेख रशीद पाकिस्तान की इमरान खान सरकार में 2020 से 2022 तक गृह मंत्री रहा। वह अवामी मुस्लिम लीग पार्टी का संस्थापक नेता भी है। शेख रशीद इससे पहले भी अपने भारत विरोधी बयानों को लेकर चर्चा में रहा है। 2019 में भी शेख रशीद ने भारत के खिलाफ बेहद उग्र बयान दिए थे और युद्ध और परमाणु हथियारों की बात की थी। हाफिज सईद आंतकी संगठन लश्कर एक तैयबा का प्रमुख है और भारत के मोस्ट वांटेड आतंकियों की सूची में शामिल है। हाफिज सईद ही 26/11 के मुंबई हमले का मास्टरमाइंड है। साथ ही पुलवामा में हुए हमले का मास्टरमाइंड भी उसे ही माना जाता है। हाफिज सईद जम्मू कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए आतंकी समूहों को फंडिंग करता है।

ग्रीन कार्ड का सपना देख रहे भारतीयों को बड़ा झटका, ईबी-2 भारत का कोटा अस्थायी रूप से क्यों बंद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में स्थायी निवास यानी ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे हजारों भारतीय आईटी पेशेवरों और उच्च कुशल कामगारों के लिए बड़ा झटका है। ईबी-2 भारत का ग्रीन कार्ड कोटा वित्त वर्ष खत्म होने के कारण अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। इससे अंतिम मंजूरी की प्रक्रिया रुक गई है। लंबित आवेदनों पर कागजी काम जारी रहेगा, लेकिन क्या नए वित्त वर्ष में भारतीयों को फिर राहत मिलेगी?

अमेरिका में ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे भारतीय आईटी पेशेवरों और दूसरे उच्च कुशल कामगारों के लिए परेशानी बढ़ गई है। इनमें एच-1बी वीजा पर अमेरिका में काम कर रहे भारतीय पेशेवर भी शामिल हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने ईबी-2 भारत श्रेणी का ग्रीन कार्ड कोटा अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। यह रोक 30 सितंबर को खत्म हो रहे मौजूदा वित्त वर्ष के कारण लगी है। इसका सीधा असर उन भारतीय आवेदकों पर पड़ेगा, जो अमेरिका में स्थायी निवास की मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं।

ईबी-2 भारत का ग्रीन कार्ड कोटा क्यों हुआ बंद?

ईबी-2 श्रेणी में एडवांस्ड डिग्री रखने वाले या असाधारण योग्यता वाले पेशेवर शामिल होते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अनुसार, मौजूदा वित्त वर्ष का कोटा खत्म होने की वजह से ईबी-2 भारत के लिए नए आप्रवासी वीजा नंबर फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं। इसका मतलब है कि भारतीय आवेदकों के लिए अंतिम मंजूरी की प्रक्रिया रुक गई है। भारतीय आईटी पेशेवरों के लिए यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि बड़ी संख्या में कुशल भारतीय कर्मचारी एच-1बी वीजा के जरिए अमेरिका में काम करते हैं और लंबे समय से ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया में हैं।

भारतीय आवेदकों को पहले कैसे मिल जाती थी राहत?

भारतीय आवेदकों को पहले दूसरे देशों के इस्तेमाल नहीं हुए वीजा नंबरों से कुछ राहत मिल जाती थी। अमेरिकी आव्रजन कानून फर्म डब्ल्यूआर इमिग्रेशन के अनुसार, दूसरे देशों के बचे हुए वीजा नंबर छनकर ईबी-2 और ईबी-3 भारत श्रेणी में पहुंच जाते थे। इससे भारतीय आवेदकों के लिए उपलब्धता कुछ बेहतर हो जाती थी। लेकिन अब यह व्यवस्था पहले की तरह राहत नहीं दे रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे भारतीय आवेदकों के लिए उपलब्ध जगह और सीमित हो रही है।

क्या लंबित आवेदनों पर भी पूरी तरह रोक लग गई है: फिलहाल ऐसा नहीं है। अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा यानी यूएससीआईएस में पहले से लंबित आवेदनों की कागजी प्रक्रिया जारी रह सकती है। लेकिन इन आवेदनों को अंतिम मंजूरी देने के लिए वीजा नंबर उपलब्ध होना जरूरी है। मौजूदा कोटा खत्म होने के कारण अंतिम वीजा नंबर अभी आवंटित नहीं किया जा सकता। नया कोटा जारी होने के बाद ही इन मामलों में अंतिम मंजूरी की प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी।

इस रोक के बाद भारतीय आवेदकों की चिंता इसलिए बढ़ी है क्योंकि विशेषज्ञों ने आगामी वित्त वर्ष में भी ईबी-2 और ईबी-3 भारत श्रेणियों में सीमित उपलब्धता की चेतावनी दी है। इसका मतलब है कि ग्रीन कार्ड के लिए इंतजार कर रहे भारतीय उच्च कुशल कामगारों को आगे भी लंबी प्रतीक्षा का सामना करना पड़ सकता है। खासकर उन लोगों के लिए यह स्थिति महत्वपूर्ण है, जो एच-1बी वीजा पर अमेरिका में रहकर स्थायी निवास की प्रक्रिया पूरी करने की कोशिश कर रहे हैं।

तपती गर्मी से राहत का जापानी जुगाड़

एसी जैकेट से यूवी छाते तक ये तकनीकें कैसे बदलेंगी गर्मी से बचने का तरीका

टोक्यो, एजेंसी। पूर्वी एशिया में गर्मी बढ़ने के साथ जापान में लोग इससे बचने के लिए तकनीक और पारंपरिक उपायों का इस्तेमाल कर रहे हैं। आम पंखे से लेकर खास तरह की जैकेट और ठंडे बूथ तक बाजार में मौजूद हैं। पंखे वाली

जैकेट शरीर के आसपास हवा पहुंचाकर पसीना जल्दी सुखाती है, जबकि कुछ छोटे पंखों में लगी विशेष धातु की प्लेट विद्युत प्रवाह के जरिए ठंडक पैदा करती है। तेज धूप से बचने के लिए यूवी रोधी छाते और पंखे वाली सौर टोपियां भी लोगों के बीच लोकप्रिय हो रही हैं। एसी जैकेट में छोटे पंखे लगाए जाते हैं। ये पंखे बाहर की हवा को जैकेट के अंदर खींचते हैं और शरीर के आसपास हवा का प्रवाह बनाए रखते हैं। इससे पसीना तेजी से सूखता है और शरीर का तापमान बढ़ने से रोकने में मदद मिलती है। गर्मी में बाहर काम करने वाले लोगों के लिए ऐसी जैकेट राहत का साधन बन रही हैं। इसका उद्देश्य कमरे की तरह पूरे शरीर को ठंडा करना नहीं, बल्कि शरीर के आसपास लगातार हवा पहुंचाकर गर्मी का असर कम करना है। जापान में गर्मी से बचने के लिए तकनीक आधारित दूसरे विकल्प भी इस्तेमाल हो रहे हैं। छोटे सेमीकंडक्टर पंखों में लगी विशेष धातु की प्लेट विद्युत प्रवाह से ठंडक पैदा करती है। इससे केवल हवा चलाने के बजाय ठंडक का एहसास भी कराया जाता है। इसके अलावा इंसान के आकार के रेफ्रिजरेटेड बूथ भी इस्तेमाल किए जा रहे हैं। इन्हें निर्माण स्थलों और राहत केंद्रों में लगाया जा रहा है, ताकि तेज गर्मी के बीच लोग कुछ समय ठंडे वातावरण में रह सकें।

बचपन में अलग हुईं, फिर दोस्ती हुई और 40 साल पता खुला राज, डीएनए रिपोर्ट ने बदली दोनों की जिंदगी

संयुक्त राष्ट, एजेंसी। भारत में शिशु अवस्था में अलग-अलग अनाथालयों में छोड़ी गईं दो बच्चियां करीब 40 साल तक अपनी-अपनी जिंदगी जीती रहीं। दोनों को नीदरलैंड के अलग-अलग परिवारों ने गोद लिया और दोनों की परवरिश एक-दूसरे से थोड़ी दूरी पर हुई। उन्हें पता ही नहीं था कि उनके जीवन में एक ऐसी बहन भी है, जिससे उनकी मुलाकात किशोरावस्था में हो चुकी है। वर्षों बाद डीएनए जांच ने उनकी पुरानी दोस्ती के पीछे छिपा रिश्ता सामने ला दिया। कहानी में सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि मीना और मीनल पहली बार किशोरावस्था में 1996 में एक गोद लिए गए बच्चों की सभा में मिली थीं। उस समय दोनों करीब 100 मील की दूरी पर रहती थीं। पहली मुलाकात में ही दोनों के बीच असामान्य रूप से गहरा जुड़ाव महसूस हुआ। दोस्तों ने भी दोनों के चेहरे और शक्ल-सूरत में समानता देखी। दोनों ने एक-दूसरे के पते लिए और मजाक में पत्रों में एक-दूसरे को 'बहन' कहकर बुलाने लगीं। इसके बाद करीब 15 साल तक दोनों का संपर्क नहीं रहा। अप्रैल में मीनल ने माईहेरिटेज डीएनए जांच कराई।

फोन पर जब जांच का नतीजा आया तो उसमें मीना का नाम बहन के रूप में दिखाई दिया। डीएनए में 100 फीसदी का दुर्लभ मिलान सामने आया। मीनल ने बताया कि वह उस समय अपने घर के सोफे पर बैठी थीं, जब फोन पर नतीजे का संदेश आया। उन्हें यकीन ही नहीं हुआ कि जिस लड़की से वह किशोरावस्था में मिली थीं, वही उनकी सगी बहन है।

बचपन में दोनों को यह जानकारी नहीं थी कि उनकी कोई बहन है। मीनल ने बताया कि वह अपने डच माता-पिता और भाई-बहनों के साथ प्यार से पली-बढ़ीं, लेकिन उनके भीतर एक गहरी अकेलेपन की भावना भी थी। दूसरी ओर, मीना भी लंबे समय से अपने भीतर एक खालीपन महसूस करती थीं। जब डीएनए जांच से रिश्ता सामने आया तो उन्हें लगा जैसे जिंदगी का कोई खोया हुआ हिस्सा वापस मिल गया हो। डीएनए रिपोर्ट आने के बाद मीनल को पहले यह समझ नहीं आया कि मीना वही लड़की है, जिससे वह करीब 30 साल पहले मिली थीं। बाद में उन्होंने सोशल मीडिया पर मीना को खोजा और उसकी तस्वीरें देखीं। तस्वीरों को देखने के बाद उन्हें यकीन हो गया कि डीएनए रिपोर्ट में जिस बहन की बात सामने आई है, वह वही पुरानी दोस्त है। मीनल ने कहा कि वे बहन बनने से पहले दोस्त थीं और असल में वे पूरी जिंदगी बहनें ही थीं, बस उन्हें इसका पता नहीं था। रिश्ता सामने आने के बाद दोनों बहनों ने नीदरलैंड में भावुक मुलाकात की। इस दौरान आंसू, गले मिलना और हंसी एक साथ दिखाई दी।

संपादकीय | समुद्र की पारिस्थितिकी पर मंडराया बड़ा संकट

अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध समाप्त करने को लेकर अंतरिम समझौता होने के बावजूद शांति वार्ता आगे नहीं बढ़ पा रही है। एक बार संघर्ष विराम पर सहमति बनने के बाद भी दोनों देशों की ओर से वार-पलटवार का सिलसिला जारी है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर अब केवल तेल, गैस और अन्य वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित होने तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इससे समुद्र की पारिस्थितिकी पर भी खतरा मंडराने लगा है। होर्मुज जलमार्ग की नाकेबंदी से दुनिया पर आर्थिक असर को लेकर तो आकलन लगातार किया जा रहा है, लेकिन इस क्षेत्र में लंबे समय तक जहाजों की आवाजाही बंद रहने से पैदा होने वाले संभावित पारिस्थितिकी नुकसान पर अब तक कम ही ध्यान दिया गया है। हाल में किए गए एक अध्ययन के मुताबिक, बीती फरवरी से फारस की खाड़ी में खड़े डेढ़ हजार से अधिक वाणिज्यिक जहाज गंभीर पर्यावरणीय खतरा पैदा कर सकते हैं। इन जहाजों के स्थिर रहने से इनके बाहरी हिस्सों पर समुद्री जीवों और वनस्पतियों की परत जमा हो सकती है। जब ये जहाज अलग-अलग बंदरगाहों की ओर रवाना होंगे, तो इनके साथ समुद्री जीव नए क्षेत्रों में पहुंच सकते हैं, जिससे जैव-सुरक्षा के लिहाज से नया खतरा पैदा होने की आशंका है। यह अफसोसनाक है कि इस दोहरे खतरे से बेफिक्र होकर अमेरिका और ईरान अपनी-अपनी जिद पर अड़े हैं। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध समाप्त करने को लेकर अंतरिम समझौता होने के बावजूद शांति वार्ता आगे नहीं बढ़ पा रही है। एक बार संघर्ष विराम पर सहमति बनने के बाद भी दोनों देशों की ओर से वार-पलटवार का सिलसिला जारी है। इसी का नतीजा है कि ईरान ने होर्मुज

जलमार्ग को फिर से बंद कर दिया है और इसके जवाब में अमेरिका ने दोबारा पूरे क्षेत्र की नाकेबंदी कर दी है। ईरान ने बीते सोमवार को दो टूक कहा कि जब तक अमेरिका उनकी शर्तों को स्वीकार नहीं करेगा, तब तक वह होर्मुज जलमार्ग को फिर से नहीं खोलेगा। दरअसल, ईरान चाहता है कि अमेरिका नाकेबंदी हटाए, युद्ध से हुए नुकसान के लिए मुआवजा दे, आर्थिक प्रतिबंध खत्म करे और उसकी जब्त संपत्तियों को मुक्त करे। ईरान की इन शर्तों को लेकर अमेरिका कितना गंभीर है, इसका अंदाजा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान से लगाया जा सकता है, जिसमें उन्होंने कहा कि तेहरान के वार्ताकारों ने अब तक ऐसी कोई मांग नहीं उठाई है। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि दोनों देशों के बीच तनाव और संघर्ष का सबसे ज्यादा असर भारत समेत उन देशों को झेलना पड़ रहा है, जिनका सीधे तौर पर इससे कोई संबंध नहीं है। हालांकि पश्चिम एशिया में फिर से शांति कायम करने की जिम्मेदारी दोनों देशों की है, लेकिन युद्ध की शुरुआत चूंकि अमेरिका और इजराइल ने मिलकर की थी, इसलिए समाधान के रास्ते तलाशने का दायित्व भी उन पर ज्यादा है। सवाल अब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के बाधित होने से उपजे संकट का ही नहीं है, बल्कि समुद्र के पर्यावरण का भी है। लंबे समय तक जहाजों के एक ही स्थान पर स्थिर रहने और उसके बाद विभिन्न बंदरगाहों की ओर रवाना होने से उनके साथ समुद्री जीव, पौधे, परजीवी और अन्य रोगजनक सूक्ष्म जीव भी नए क्षेत्रों में पहुंच जाएंगे, जिससे स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र, मत्स्य संसाधन, जलीय कृषि और तटीय उद्योग को भी नुकसान हो सकता है। यही नहीं, अगर तेल से भरे जहाजों पर बड़े हमले होते हैं, तो समुद्र में तेल फैलने से बड़े पैमाने पर जलीय जीवों को नुकसान होगा। ऐसे में जरूरी है कि अमेरिका और ईरान मानवीय तथा पर्यावरणीय संकट की गंभीरता को ध्यान में रखकर शांति वार्ता को सफल बनाने की दिशा में सकारात्मक सोच के साथ कदम आगे बढ़ाएं।

मामूली रकम के लिए भी जा रही जान

शहरों में बढ़ते अपराध के कारणों में आर्थिक पहलू भी शामिल है। बेरोजगारी और महंगाई ने आम लोगों की चुनौतियां बढ़ा दी हैं। यही वजह है कि कुछ लोग चंद रुपये की खातिर किसी की जान लेने पर उतारू हो जाते हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हिंसक वारदातों का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। सरकार के तमाम दावों के बावजूद अपराधियों में कानून का कोई खौफ नजर नहीं आता है। यहां तक कि मामूली विवाद में किसी की जान लेना सामान्य बात हो गई है। हाल में यहां के बेगमपुर इलाके में ऐसी ही घटना सामने आई, जहां महज सात सौ रुपये नहीं लौटाने को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। सवाल है कि सुरक्षा की लिहाज से संवेदनशील मानी जाने वाली देश की राजधानी में अपराध की इस स्थिति के लिए कौन जिम्मेदार है? चिंता का विषय यह भी है कि लोग छोटी-सी बात पर इस कदर हिंसक हो उठते हैं कि किसी को जान से मार देने में भी उनके हाथ नहीं कांपते हैं। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन अहम सवाल यह है कि उधार की छोटी-सी रकम क्या किसी की जान की कीमत से बढ़कर है? महज कुछ रुपये के लिए किसी की हत्या कर देना कानून व्यवस्था की विफलता तो है ही, मगर इसके समाजशास्त्रीय पक्ष को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। गंभीर चिंता की बात यह है कि आपराधिक घटना के दौरान वहां मौजूद लोग बीच-बचाव के लिए आगे आने के बजाय तमाशबीन बने रहते हैं। यह आत्मकेंद्रित हो रहे समाज की स्याह तस्वीर को उजागर करता है। इससे पता चलता है कि लोग नैतिक और मानवीय मूल्यों से दूर होते जा रहे हैं। शहरों में बढ़ते अपराध के कारणों में आर्थिक पहलू भी शामिल है। बेरोजगारी और महंगाई ने आम लोगों की चुनौतियां बढ़ा दी हैं। यही वजह है कि कुछ लोग चंद रुपये की खातिर किसी की जान लेने पर उतारू हो जाते हैं। कुछ समय पहले दिल्ली के तिलकनगर में मात्र डेढ़ सौ रुपये के लेन-देन के विवाद में एक युवक की हत्या कर दी गई थी।

आज का कार्टून

भूख की अदालत में कौन कटघरे में, मां, समाज या व्यवस्था?

आधी सदी पहले दुष्यंत कुमार ने एक शेर कहा था, 'भूख है तो सब्र कर रोटी नहीं तो क्या हुआ, आजकल दिल्ली में है जेर-ए-बहस ये मुद्दआ।' एक अदालती फैसला सामने आने के बाद यह बात शिद्दत से महसूस हो रही है कि आधी सदी बाद भी यह शेर और परिस्थितियां अपनी जगह जस की तस खड़ी हैं। गुजरात उच्च न्यायालय ने अपने एक फैसले में साहित्यकारों और विचारकों को भी उद्धृत किया।

आलोक यात्री

मामला दो साल की एक बच्ची की हत्या से जुड़ा है। रोटी मांगने पर मां ने बच्ची की कथित रूप से पीट-पीट कर हत्या कर दी थी। चार महीने बाद आरोपी मां को अदालत ने जमानत दे दी। इस मामले में एक हत्यारोपी को जमानत मिलना महत्वपूर्ण है, लेकिन इससे भी अहम है गुजरात उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की टिप्पणी।

अपने फैसले में किसी न्यायाधीश को पहली बार विश्व विख्यात लेखकों को उद्धृत करते हुए देखना समाज की ओर एक नई खिड़की खुलने जैसा सुखद अहसास है। उच्च न्यायालय की पीठ ने इस प्रकरण को दिल दहला देने वाली घटना बताते हुए कहा कि भूख केवल आर्थिक मुद्दा नहीं है बल्कि मानवीय गरिमा, न्याय और जमीर का मामला है। अदालत ने इसे समाज और व्यवस्था की सामूहिक विफलता करार देते हुए कहा कि भूख जब एक मां को ऐसा कदम उठाने पर मजबूर करे, तो यह केवल अपराध नहीं, बल्कि मानवीय गरिमा और सामाजिक न्याय का गंभीर विषय है।

आरोपी मां ने बेटी द्वारा बार-बार खाना मांगने पर उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी

अत्यधिक गरीबी के प्रभाव को समझने के लिए अदालत ने अपने फैसले में विश्व विख्यात लेखकों पन्नालाल पटेल, चार्ल्स डिकेंस, विक्टर ह्यूगो और महात्मा गांधी के विचारों तथा तर्कों का हवाला दिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार आरोपी मां ने मार्च 2026 में बेटी द्वारा बार-बार खाना मांगने पर उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी थी। बचाव पक्ष का कहना था कि तीन बच्चों की मां जिसे उसका पति छोड़ चुका था, अत्यधिक गरीबी, भुखमरी और सात महीने की गर्भावस्था से जूझ रही थी।

आरोपी मां की जमानत अर्जी मंजूर करते हुए अपने फैसले में अदालत में दो विश्वविख्यात उपन्यासों, पन्नालाल पटेल के गुजराती उपन्यास 'मानवीनी भवाई' और विक्टर ह्यूगो के उपन्यास 'लेस मिजरेबल्स' का हवाला दिया गया। न्यायमूर्ति हसमुख डी सुथार की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि भुखमरी जब किसी मां को इतना बड़ा कदम उठाने पर मजबूर कर देती है तो यह विफलता किसी एक व्यक्ति की नहीं बल्कि पूरे समाज की होती है। इस दुखद घटना को करुणा और इस बात के पुख्ता संकल्प के तौर पर देखा जाना चाहिए कि कोई भी मां या बच्चा भुखमरी की पीड़ा सहने को मजबूर न हो।

उन्नीसवीं सदी के फ्रांस और ब्रिटेन में भूख, गरीबी का वर्णन

फैसले में उद्धृत उपन्यासों में से एक में पन्नालाल पटेल ने भीषण भूख और सामाजिक व्यवस्था के ढहने से पैदा होने वाले मनोवैज्ञानिक डर को रेखांकित किया है। जबकि विक्टर ह्यूगो ने उन्नीसवीं सदी के फ्रांस में गरीब, दबे-कुचले और समाज के हाशिये पर धकेल दिए गए लोगों की जिंदगी और संघर्ष को दर्शाया है। चार्ल्स डिकेंस ने भी उन्नीसवीं सदी के औद्योगिक ब्रिटेन में भूख, गरीबी और सामाजिक न्याय को बहुत करीब से देखा और अपनी रचनाओं में उसे गहराई से उभारा है।

चार्ल्स का यह कथन खास ध्यान देने योग्य है 'चमचमाते और खुशहाल लंदन के नीचे एक अंधेरा, भूखा और रोता हुआ लंदन भी बसता है।' एक जगह वे लिखते हैं- 'भूख उन दीवारों को भी तोड़ देती है जिन्हें कानून नहीं लांघ सकता।' अपने फैसले में अदालत ने महात्मा गांधी और ब्रितानी लेखक चार्ल्स डिकेंस के कथनों के अलावा हिंदू, मुसलिम और ईसाई धर्म ग्रंथों का भी उल्लेख किया जिसमें भूखे को खाना खिलाने को एक पवित्र कर्तव्य बताया गया है। इस क्रम में महात्मा गांधी के इस उदाहरण को इंगित किया गया कि दुनिया में ऐसे लोग भी हैं, जो इतने भूखे हैं कि उन्हें भगवान रोटी के रूप में ही दिखाई दे सकते हैं।

किसी व्यक्ति को भूख से मरने देना सामाजिक विफलता

सभी धर्म यह बताते हैं कि किसी व्यक्ति को भूख से मरने देना न केवल एक सामाजिक विफलता है बल्कि एक नैतिक और आध्यात्मिक विफलता भी है। यह घटना दिल दहला देने वाली होने के साथ-साथ यह भी याद दिलाती है कि भूख महज आर्थिक समस्या नहीं है बल्कि मानवीय गरिमा, न्याय और अंतरात्मा का मामला है। साथ ही यह घटना केवल एक व्यक्ति की त्रासदी नहीं है बल्कि समाज पर एक गंभीर आरोप है और यह सामाजिक न्याय एवं नैतिकता से जुड़े बुनियादी सवाल खड़े करती है।

फैसले में पीठ ने टिप्पणी की कि 'इस अदालत का मानना है कि सामाजिक न्याय इस सिद्धांत पर आधारित है कि हर इंसान को भोजन, रहने की जगह, स्वास्थ्य सेवा और सम्मान जैसी बुनियादी जरूरतें मिलनी चाहिए। भुखमरी के कारण जब कोई मां इतना कठोर कदम उठाने पर मजबूर हो जाती है तो यह किसी एक व्यक्ति की नहीं बल्कि पूरे समाज की विफलता होती है।'

सामाजिक कल्याण व्यवस्था की विफलता

अदालत ने यह भी कहा कि यह घटना सामाजिक कल्याण व्यवस्था की विफलता को भी दर्शाती है और कमजोर परिवारों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए राज्य और समाज की नैतिक जिम्मेदारी को उजागर करती है। भारतीय संविधान के तहत बच्चों को छह साल की आयु पूरी होने तक शुरुआती बचपन की देखभाल और शिक्षा के लिए मौलिक अधिकार दिए गए हैं और सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए पोषण के स्तर और जीवन स्तर को ऊपर उठाना राज्य सरकार का कर्तव्य है।

शायद यह पहला अवसर है जब अदालत ने लेखकों को उद्धृत किया है। अब देखना यह है कि नैतिकता और जुर्म के दो पलड़ों पर टिके इस प्रकरण का परिणाम संविधान की किताब से निर्धारित होगा या शासकीय विफलता भी इस हत्या की दोषी मानी जाएगी।

कुछ समय पहले राजस्थान के नागौर जिले के सुरियास गांव में पहली बार एक बेटी का 'पाग दस्तूर' किया गया। राजस्थान की पारंपरिक सामाजिक व्यवस्था में पिता के निधन के बाद परिवार के बड़े बेटे को परिवार का उत्तराधिकारी घोषित किया जाता है। इसी को 'पाग दस्तूर' कहते हैं। अगर परिवार में पुत्र नहीं होता, तो कई परिवार दत्तक पुत्र लेकर यह रस्म निभाते हैं।

मनोरमा नदी के किनारे आज खेत लहलहाते हैं। पगडंडियां हैं, पेड़ हैं और एक गहरी खामोशी है। इसी मिट्टी के नीचे 169 साल पुरानी एक ऐसी कहानी दफन है। इसकी आंच आज भी महसूस की जा सकती है। इस आंच का नाम है महुआ डाबर। वह गांव जो आजादी की जंग लड़ने के गुनाह में पूरी तरह जमींदोज कर दिया गया। ब्रिटिश अभिलेखों में इसे बाद में गैरचिरागी घोषित कर दिया गया। मगर, उसकी हुंकार यहां की हवाओं से आज भी सुनाई देती है। बस, सत्ता के बहरे कान इसे कभी सुन नहीं सके।

महुआ डाबर: 1857 की वह गुमनाम कहानी

डॉ. शाह आलम राना

बस्ती जिला मुख्यालय से महज 16 किलोमीटर दक्षिण और बहादुरपुर ब्लॉक से करीब दो किलोमीटर दूर स्थित यह गांव कभी एक समृद्ध कस्बा था। 1813 में डॉ. फ्रांसिस बुकानन के सर्वेक्षण में यहां करीब 200 घरों का उल्लेख मिलता है। कई घर दो मंजिला थे। मनोरमा नदी के किनारे बसे इस कस्बे में व्यापार, कारीगरी और शिक्षित लोगों की अच्छी मौजूदगी थी। बाद में मुर्शिदाबाद से आए रेशम और कपड़ा बुनने वाले कारीगरों ने इसकी समृद्धि को और बढ़ाया। फिर आया 1857। और महुआ डाबर इतिहास के सबसे भयावह अध्यायों में दर्ज हो गया। दस जून 1857 को यहां क्रांति की आग भड़की। विद्रोह के दौरान फैजाबाद से भाग रहे कुछ ब्रिटिश अधिकारियों का सामना महुआ डाबर में विद्रोहियों से हुआ। ब्रिटिश अभिलेखों में लेफ्टिनेंट टीई. लिंडसे, डब्ल्यूएच. थॉमस, जीएल. कॉटली, सार्जेंट एडवर्ड्स, एएफ. इंग्लिश और टीजे. रिची समेत कई अधिकारियों की हत्या का उल्लेख मिलता है।

इसके बाद अंग्रेजी प्रशासन ने महुआ डाबर को निशाना बनाया। महुआ डाबर को जलाकर पूरी तरह नष्ट कर दिया गया। तत्कालीन कमिश्नर डब्ल्यू. विनयार्ड और डिप्टी कलेक्टर विलियम पेप्पे के बीच पत्राचार में इसके सुबूत मिलते हैं। 15 जून 1857 के पत्र में पेप्पे को

लिखे पत्र में विनयार्ड ने गांव को पूरी तरह जलाकर नष्ट करने और यहां तक कि एक भी ईंट साबुत न बचने का निर्देश दिया था। चार जुलाई के पत्र में विनयार्ड ने तीन जुलाई को गांव जलाए जाने की कार्रवाई पर संतोष व्यक्त किया। साथ ही, सभी घरों को जमींदोज करने का काम पूरा करने के निर्देश दिए।

इससे साफ है कि महुआ डाबर का विनाश कोई अचानक हुई घटना नहीं था। स्थानीय स्मृतियों और संग्रहालय में संरक्षित सामग्री के अनुसार, इस कार्रवाई में 5000 से अधिक लोगों के मारे जाने का दावा किया जाता है। हालांकि, इस संख्या की स्वतंत्र अभिलेखीय पुष्टि के लिए व्यापक शोध की जरूरत है। गांव के मिट जाने का प्रमाण ब्रिटिश दस्तावेजों में भी मिलता है। बाद के अभिलेखों में महुआ डाबर को 'गैरचिरागी' यानी अस्तित्वहीन दर्ज किया गया।

पेप्पे की कब्र बची, महुआ डाबर की स्मृति नहीं : विलियम पेप्पे ने यूनिवर्सिटी ऑफ एबरडीन से सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। लेकिन 1857 में वह ब्रिटिश प्रशासन के दमन अभियान का हिस्सा बने। 1911 में इलाहाबाद के गवर्नमेंट प्रेस से प्रकाशित सर एडवर्ड आर्थर हेनरी ब्लंट की पुस्तक में पेप्पे की कब्र पर अंकित शिलालेख का उल्लेख मिलता है। उसमें 1857 के दौरान उनकी सेवाओं और महुआ डाबर को जलाने की कार्रवाई का भी जिक्र है। आज स्कॉटलैंड के एबरडीन में पेप्पे की कब्र संरक्षित है। विडंबना यह है कि जिस व्यक्ति की कब्र पर महुआ डाबर जलाने का उल्लेख सुरक्षित है, उसी महुआ डाबर के मृतकों की स्मृति आज भी सरकारी संरक्षण की बाट जोह रही है।

कहानियों से दस्तावेजों तक : महुआ डाबर की कहानी पीढ़ियों की स्मृतियों में बची रही। खेतों से निकलने वाले जले हुए अवशेष, पुराने किस्से और बिखरे दस्तावेज इस इतिहास की गवाही देते रहे। 1997 में महुआ डाबर आना-जाना शुरू हुआ तो इस इतिहास को समझने की कोशिश शुरू हुई। खोजबीन में 1836 की रॉबर्ट मोंटगोमेरी मार्टिन की पुस्तक, डॉ. फ्रांसिस बुकानन का सर्वेक्षण, ब्रिटिश अधिकारियों का पत्राचार और 1857 के प्रत्यक्षदर्शी विवरण सामने आए। सार्जेंट बुशर के बयान में महुआ डाबर में ब्रिटिश अधिकारियों पर हुए हमले और उसके बाद की घटनाओं का विवरण मिलता है। दूसरी ओर ब्रिटिश प्रशासन का पत्राचार गांव को पूरी तरह नष्ट करने की योजना का प्रमाण देता है। यानी महुआ डाबर का इतिहास केवल लोककथा नहीं है। इसके कई महत्वपूर्ण हिस्से औपनिवेशिक दस्तावेजों में भी दर्ज हैं।

राख से उठता संग्रहालय: इसी इतिहास को बचाने की कोशिश में पूरा पिरई गांव में महुआ डाबर से जुड़ी सामग्री जुटाई गई। वर्ष 1999 में महुआ डाबर संग्रहालय की विधिवत स्थापना हुई। आज यहां ऐतिहासिक दस्तावेज, पांडुलिपियां, पत्र, मुकदमों की कार्यवाहियां, पुस्तकें, समाचार पत्र, औजार, हथियार, सिक्के, डाक टिकट, तस्वीरें, पेंटिंग्स और महुआ डाबर से मिले अवशेष संरक्षित हैं। संग्रहालय का रिपॉजिटरी सेक्शन पूरा पिरई में और प्रदर्शनी केंद्र शहीद स्थल महुआ डाबर में है। ढाई दशक के इस प्रयास की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि संग्रहालय आज भी किराए के भवन में संचालित हो रहा है और सरकारी संरक्षण तथा नियमित अनुदान की प्रतीक्षा कर रहा है।

इतिहास का सवाल अब सरकार से : महुआ डाबर से जुड़े लोगों का सवाल है कि जब जलियांवाला बाग राष्ट्रीय स्मृति का प्रतीक बन सकता है तो 1857 के इस महत्वपूर्ण स्थल को उसका उचित स्थान क्यों नहीं मिल सकता? स्थानीय स्तर पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, अब तक राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी या जिला पर्यटन अधिकारी का यहां औपचारिक दौरा नहीं हुआ। सरकारी अनुदान भी नहीं मिला। पाठ्य पुस्तकों में भी महुआ डाबर का विस्तृत इतिहास नहीं है। तीन जुलाई 2011 को तत्कालीन सांसद जगदम्बिका पाल ने यहां श्रद्धांजलि देकर स्मृति पट्टिका का अनावरण जरूर किया था।

संक्षिप्त समाचार

'यह एक कठिन फैसला होगा'

देवदत्त पडिक्कल या सरफराज खान, गॉल टेस्ट के लिए एबी डिविलियर्स ने किस पर लगाया दांव

नई दिल्ली। भारतीय टीम शनिवार 15 अगस्त 2026 से श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज का आगाज करेगी। पहला मुकाबला गॉल में खेला जाएगा। इस मुकाबले के लिए टीम इंडिया का प्लेइंग कॉम्बिनेशन क्या होगा, इस पर कई अटकलें लग रही हैं। अब साउथ अफ्रीका के दिग्गज एबी डी विलियर्स ने देवदत्त पडिक्कल या सरफराज खान में से किसी एक को खिलाने का फैसला कठिन बताया है। उनका मानना है कि दोनों शानदार खिलाड़ी हैं और कोच व कप्तान के लिए किसी एक पर निर्णय लेना आसान नहीं होगा।

सरफराज खान को चोटिल साई सुदर्शन की जगह 21 महीने बाद टीम इंडिया का बुलावा आया है। वहीं डिविलियर्स ने साथ ही जसप्रीत बुमराह के ना होने से टीम इंडिया को कितना फर्क पड़ेगा इस पर भी बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि बुमराह इस सीरीज से बाहर हैं लेकिन फिर भी टीम इंडिया का स्क्वाड मजबूत है। उन्होंने साथ ही इस सीरीज की और आगामी डब्लूटीसी फाइनल की रेस के लिए भारत की मौजूदगी पर भी बात की है।

2026 में सबसे ज्यादा

इशान नंबर 1, गिल दूसरे पर, रोहित-विराट के साथ वैभव भी लिस्ट में

नई दिल्ली। टेस्ट, वनडे और टी20 इंटरनेशनल जोड़कर साल 2026 में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की बात करें तो इशान किशन टॉप पर काबिज हैं। जबकि भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने भी मात्र 6 टी20 इंटरनेशनल खेलकर ही टॉप 15 की इस लिस्ट में जगह बना ली है।

दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली भी इस लिस्ट का हिस्सा हैं। रोहित ने इस साल 9 वनडे इंटरनेशनल खेले हैं तो विराट ने 6 एकदिवसीय मुकाबलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। इतना ही नहीं संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा भी इस लिस्ट में मौजूद हैं। सैमसन ने इस साल भारत के लिए 14 मुकाबलों में 400 रन बनाए हैं। जबकि अभिषेक के नाम 23 पारियों में 514 रन दर्ज हैं। भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान और टी20 के कप्तान श्रेयस अय्यर इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं, जबकि अभिषेक शर्मा चौथे पर हैं। इशान और गिल के अलावा अय्यर और अभिषेक ही ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने इस साल अब तक 500 रनों का आंकड़ा पार किया है। खास बात यह है कि पांचवें स्थान पर शिवम दुबे इस लिस्ट में मौजूद हैं।

बुमराह-सुदर्शन की चोट से बढ़ी चिंता कपिल देव बोले-

तेज गेंदबाजों का वर्कलोड तय करे BCCI

नई दिल्ली। भारतीय खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने से कुछ सवाल खड़े हुए हैं। शनिवार से शुरू होने वाली श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में भारत को अपने नियमित खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह, साई सुदर्शन और वॉशिंगटन सुंदर की कमी खलेगी। जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन दोनों को टीम में शामिल किया गया था, लेकिन बाद में उन्हें इस अहम दो-टेस्ट मैचों की सीरीज से हटा दिया गया।

हालांकि, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बताया था कि उनका खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा, लेकिन उनके लंबे समय तक बाहर रहने से यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में सही प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है।

पहले जेआईटीओ प्रीमियर लीग के लॉन्च इवेंट में कपिल देव ने कहा, घरेलू क्रिकेट खेलना बहुत जरूरी है। इंसान को अपने शरीर के बारे में पता होना चाहिए। आजकल बहुत ज्यादा टी20 क्रिकेट हो रहा है, इसलिए आपको इस बात का ध्यान रखना होगा कि इसका शरीर पर क्या असर पड़ता है।

कपिल देव ने कहा, ''असल में, हमारा शरीर तेज गेंदबाज बनने के लिए नहीं बना है। हमारा शरीर ज्यादातर बल्लेबाज बनने के लिए बना है। बीसीसीआई को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि एक तेज गेंदबाज पर कितना वर्कलोड डाला जा सकता है।''जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन के अलावा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी को लेकर भी चिंताएं बढ़ रही हैं। नितीश कुमार रेड्डी लगातार चोटों से जूझ रहे हैं। आईपीएल के दौरान उन्हें क्वाड्रिसेप्स की चोट लग गई। हालिया समय में घरेलू मैदानों पर न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के हाथों बुरी तरह हारने के बाद स्पिन के खिलाफ भारत के खेल पर सवाल उठ रहे हैं।

कपिल देव ने कहा, ''भारतीय टीमों को स्पिन के खिलाफ संघर्ष इसलिए करना पड़ता है, क्योंकि शीर्ष खिलाड़ी पर्याप्त घरेलू क्रिकेट नहीं खेलते हैं। यहीं पर बीसीसीआई को सख्ती दिखानी चाहिए और सभी के लिए मल्टी-डे मैच खेलना अनिवार्य करना चाहिए। इसका एक और पहलू यह है कि युवा पीढ़ी को शीर्ष खिलाड़ियों से सीखने का मौका मिलेगा।''कपिल देव ने कहा, ''हाल के समय में स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ भारत का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है।

स्टार्क एक विकेट लेकर बने नंबर 1

श्रीलंकाई दिग्गज पीछे, कपिल देव की बराबरी

बांग्लादेश पहले दिन के बाद मजबूत

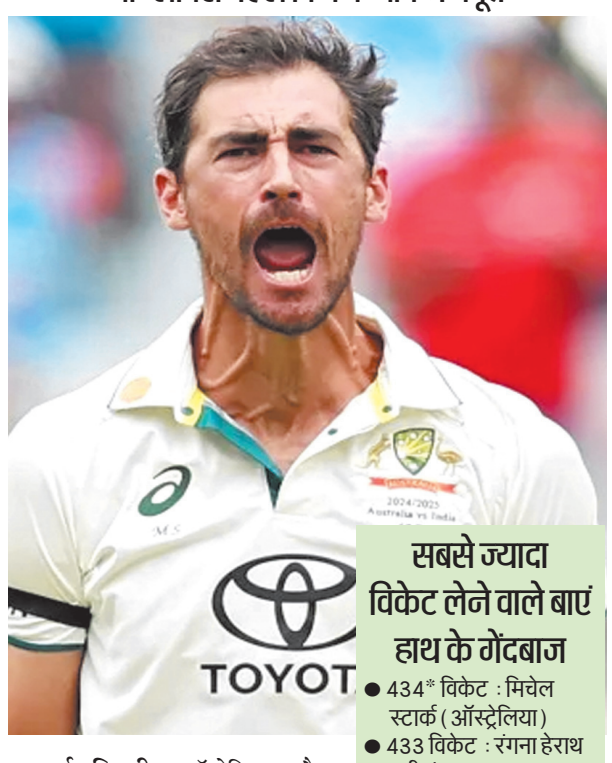

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच डारविन में खेले जा रहे पहले टेस्ट के पहले दिन का खेल खत्म हो चुका है। बांग्लादेश की टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 198 रन पर समेटने के बाद दिन के अंत तक 24 ओवर में 1 विकेट पर 96 रन बना लिए हैं। फिलहाल बांग्लादेश की टीम मजबूत स्थिति में नजर आ रही है और ऑस्ट्रेलिया के स्कोर से 102 रन पीछे है और 9 विकेट बाकी हैं। मोमिनुल हक 35 और तंजिद हसन तमीम 32 रन पर नाबाद हैं। बांग्लादेश का एकमात्र विकेट मिचेल स्टार्क ने लिया और खास रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। मिचेल स्टार्क ने शादमान इस्लाम को 20 रन पर आउट करते हुए बांग्लादेश को 36 रन पर पहला झटका दिया था। यह उनके करियर का 434वां टेस्ट विकेट भी था।

सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बाएं हाथ के गेंदबाज

- 434* विकेट : मिचेल स्टार्क (ऑस्ट्रेलिया)
- 433 विकेट : रंगना हेराथ (श्रीलंका)
- 414 विकेट : वसीम अकरम (पाकिस्तान)
- 362 विकेट : डैनियल विटोरी (न्यूजीलैंड)
- 355 विकेट : चामिंडा वास (श्रीलंका)
- 348 विकेट : रविंद्र जडेजा (भारत)

ऑस्ट्रेलिया 198 पर ढेर

बांग्लादेश के खिलाफ बनाया सबसे कम टेस्ट स्कोर, हसन महमूद ने रचा इतिहास

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का आगाज हो चुका है। पहला टेस्ट मैच डारविन में खेला जा रहा है। मुकाबले के पहले दिन ही मेजबान कंगारू टीम बांग्लादेशी गेंदबाजों के सामने 198 रन पर ही ढेर हो गई। ऑस्ट्रेलिया की टीम पूरे दिन भी नहीं टिक पाई और सिर्फ 53 ओवर बल्लेबाजी की। टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया का बांग्लादेश के खिलाफ यह सबसे कम स्कोर भी था। बांग्लादेश के लिए हसन महमूद ने 17 ओवर में 3 मेडन के साथ 55 रन देकर 6 विकेट लिए।

वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच में एक पारी में छह विकेट लेने वाले पहले बांग्लादेशी गेंदबाज बने। वहीं बांग्लादेश के लिए वह ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर पंजा हासिल करने वाले भी पहले गेंदबाज बन गए हैं।

इसके अलावा बांग्लादेश के लिए टेस्ट में किसी तेज गेंदबाज के सबसे ज्यादा फाइव विकेट हॉल के मामले में वह दूसरे पर आ गए हैं। उनका टेस्ट में यह तीसरा फाइव विकेट हॉल है और तीनों बार उन्होंने यह बांग्लादेश से बाहर किया है। हसन महमूद ने इतिहास रचते हुए कई रिकॉर्ड किए अपने नाम किए हैं।

स्टीव स्मिथ ने की लारा और वॉ की बराबरी

गावस्कर और लक्ष्मण से भी आगे, टेस्ट क्रिकेट में 82वीं बार किया यह कमाल

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के पहले टेस्ट में अपने टेस्ट करियर का 82वां फिफ्टी प्लस स्कोर बनाया।

इसी के साथ उन्होंने दिग्गज ब्रायन लारा और स्टीव वॉ की बराबरी भी की। डारविन में खेले जा रहे सीरीज के पहले टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी लड़खड़ा गई। स्टीव स्मिथ ने एक छोर संभालते हुए अर्धशतकीय पारी खेली। स्टीव स्मिथ के टेस्ट करियर का यह 124वां मुकाबला है, उन्होंने अपनी 221वीं पारी में 45वां अर्धशतक लगाया। वहीं यह 82वां फिफ्टी प्लस स्कोर भी रहा। वह ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा फिफ्टी प्लस स्कोर बनाने वाले संयुक्त रूप से तीसरे खिलाड़ी बने हैं। स्मिथ ने इस मामले में स्टीव वॉ की बराबरी की है। वहीं ओवरऑल रिकॉर्ड में वह लारा के बराबर पहुंचे हैं।

गावस्कर और लक्ष्मण से भी आगे स्मिथ

टेस्ट क्रिकेट में फिफ्टी प्लस स्कोर बनाने के मामले में स्टीव स्मिथ सुनील गावस्कर और वीवीएस लक्ष्मण से भी आगे हैं। सुनील गावस्कर के नाम 79 (34 शतक और 45 अर्धशतक) फिफ्टी प्लस स्कोर दर्ज हैं। जबकि वीवीएस लक्ष्मण ने 73 (56 अर्धशतक और 17 शतक) फिफ्टी प्लस स्कोर अपने करियर में बनाए।

अटल ने 143 तो जादरान ने खेली 107 रन की पारी

अफगानिस्तान ने आयरलैंड को जीत के लिए दिया 344 का लक्ष्य

नई दिल्ली। अफगानिस्तान ने 5 मैचों की वनडे सीरीज के चौथे मुकाबले में आयरलैंड के खिलाफ 50 ओवर में 9 विकेट पर 343 रन बनाए और आयरैलैंड को जीत के लिए 344 रन का लक्ष्य दिया। अफगानिस्तान को इस बड़े स्कोर तक पहुंचाने में सेदीकुल्लाह अटल और इब्राहिम जादरान की शतकीय पारी का बड़ा योगदान रहा। इस मैच में आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था।

अटल ने खेली 143 रन की पारी तो जादरान ने बनाए 107 रन- इस मैच में अफगानिस्तान के लिए पारी की शुरुआत करने रहमानुल्लाह गुरबाज के साथ इब्राहिम जादरान आए थे, लेकिन गुरबाज का बल्ला नहीं चला और वो 10 गेंदों पर 12 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद तीसरे नंबर पर खेलने के लिए सेदीकुल्लाह अटल क्रीज पर आए और फिर जादरान और अटल ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 220 गेंदों पर 231 रन की शानदार साझेदारी कर डाली व टीम को बेहद मजबूत स्थिति में ला दिया। जादरान और अटल के बीच ये साझेदारी तब टूटी जब जादरान 107 रन बनाकर आउट हो गए। जादरान ने ये रन 118 गेंदों का सामना करते हुए एक छक्का और 11 चौकों की मदद से बनाए। अटल की पारी गजब की रही और उन्होंने 120 गेंदों पर 143 रन ठोक दिए और इस दौरान 4 छक्के और 17 चौके भी लगाए। दरविश रसूली ने भी तेज बैटिंग की और 14 गेंदों पर 24 रन बनाए जबकि अजमतुल्लाह ओमरजई ने 12 गेंदों पर 15 रन की पारी खेली।

राशिद खान ने भी तेज गति से रन बनाने की कोशिश की, लेकिन वो 10 गेंदों पर एक छक्के की मदद से 11 रन की पारी खेलकर आउट हो गए। कप्तान रहमत शाह ने 2 रन की पारी खेली और पवेलियन लौट गए। आयरलैंड की तरफ से बायरन मैकडोनो ने सबसे ज्यादा 3 सफलता हासिल की जबकि गैविन होए को 2 सफलता हासिल हुई।

'मुझे नहीं लगता ज्यादा दिन खेल पाऊंगा'

पिता के निधन से टूटे लियोनेल मेसी, क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने किया खास मैसेज

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में 8 गोल करने वाले स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी पर दुखों का पहाड़ टूटा है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए अपने पिता के निधन की खबर शेयर की। उन्होंने यह भी बताया कि पूरे विश्व कप के दौरान कैसे वह पिता की तबीयत खराब होने के बावजूद यह गम लेकर मैदान पर उतर रहे थे। वहीं मेसी ने यह भी बताया कि उनके पिता ने ही पिछले विश्व कप के बाद 2026 विश्व कप में उन्हें खेलने के लिए कहा था। अब पिता के निधन से मेसी टूट गए हैं, उन्होंने कहा मुझे नहीं लगता ज्यादा दिन खेल पाऊंगा। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी ने बुधवार को अपने पिता जोर्ज को श्रद्धांजलि देते हुए उनके नाम एक लेटर शेयर किया।

अश्विन के 10 विकेट और कोहली-धवन के शतकों पर फिरा था पानी

जब 183 पर ढेर होने के बाद भी श्रीलंका ने भारत को हरा दिया था

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच 2015 में गॉल में खेला गया सीरीज का पहला टेस्ट मैच क्रिकेट के उन मुकाबलों में शामिल है, जिसमें पहली पारी का दबदबा आखिर में जीत की गारंटी नहीं बन पाया। श्रीलंका की टीम पहली पारी में महज 183 रन पर ढेर हो गई थी। भारत ने इसके जवाब में शिखर धवन और विराट कोहली के शतकों की बदौलत 375 रन बनाकर 192 रन की मजबूत बढ़त हासिल कर ली थी।

टेस्ट क्रिकेट में पहली बार श्रीलंका में गेंदबाजी कर रहे रविचंद्रन अश्विन ने पहली पारी में 46 रन देकर छह विकेट चटकाकर मेजबान टीम की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी थी। उस समय ऐसा लग रहा था कि भारत मैच पर पूरी तरह शिकंजा कस चुका है, लेकिन इसके बाद दिनेश चांडीमल ने नाबाद 162 रन की ऐसी पारी खेली, जिसने पूरे मैच का रुख बदल दिया।

कुमार संगकारा, लाहिरू थिरिमाने और जेहान मुबारक ने उनका साथ दिया और श्रीलंका ने दूसरी पारी में 367 रन बनाकर भारत के सामने 176 रन का लक्ष्य रखा। लक्ष्य बहुत बड़ा नहीं था, लेकिन रंगना हेरात की फिरकी के सामने भारतीय बल्लेबाजों ने घुटने टेक दिए। रंगना हेरात ने 21 ओवर में सिर्फ 48 रन देकर सात विकेट झटक लिए और पूरी भारतीय टीम 112 रन पर सिमट गई। इस तरह पहली पारी में 192 रन की बढ़त हासिल करने वाला भारत 63 रन से मैच हार गया और 183 रन पर पहली पारी में ढेर होने के बावजूद श्रीलंका ने यादगार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम किया।

183 रन पर श्रीलंका की पहली पारी- गॉल की पिच पर टॉस के बाद जब श्रीलंका ने बल्लेबाजी शुरू की तो उसे उम्मीद नहीं रही होगी कि उसकी पहली पारी इतनी जल्दी खत्म हो जाएगी। मेजबान टीम 49.4 ओवर में सिर्फ 183 रन पर ऑलआउट हो गई। शुरुआती बल्लेबाजों में दिमुथ करुणारत्ने ने नौ, कौशल सिल्वा ने पांच और लाहिरू थिरिमाने ने 13 रन बनाए। कुमार संगकारा भी सिर्फ पांच रन बनाकर पवेलियन लौट गए। कप्तान एंजेलो मैथ्यूज ने 64 रन की पारी खेलकर कुछ संभालने की कोशिश की, जबकि दिनेश चांडीमल ने 59 रन बनाए। रंगना हेरात ने 24 गेंदों पर 23 रन बनाकर टीम के स्कोर को 180 के पार पहुंचाने में मदद की। श्रीलंका की पारी में 50 रन का आंकड़ा पार करने वाले सिर्फ दो बल्लेबाज एंजेलो मैथ्यूज और दिनेश चांडीमल रहे। भारतीय गेंदबाजों में अश्विन सबसे प्रभावी रहे, जबकि इशांत शर्मा ने भी दो विकेट लिए। अमित मिश्रा ने दो विकेट चटकाए। श्रीलंका की पारी 183 रन पर समाप्त होते ही भारत के पास मैच पर दबाव बनाने का सुनहरा मौका था।

अश्विन का छह विकेट वाला स्पेल- श्रीलंका में अपना पहला टेस्ट खेल रहे रविचंद्रन अश्विन ने पहली पारी में शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने 13.4 ओवर फेंके, जिसमें दो मेडन ओवर शामिल थे और सिर्फ 46 रन खर्च कर छह विकेट अपने नाम किये। रविचंद्रन अश्विन ने श्रीलंका के मध्य और निचले क्रम को लगातार परेशान किया। अश्विन ने लाहिरू थिरिमाने, कुमार संगकारा, एंजेलो मैथ्यूज, जेहान मुबारक, धम्मिका प्रसाद और रंगना हेरात को आउट किया।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670